जीवन दर्शन

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है - महर्षि वाल्मीकि

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

कोहली बोले- आईपीएल में पहली बार डरा हुआ था...

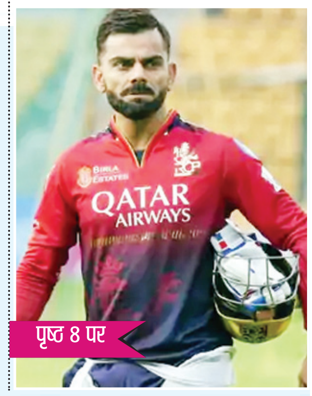

पृष्ठ 8 पर

www.globalherald.news

गुरुवार 10 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 58 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

न्यूज ब्रीफ

विमान में शख्स ने बगल के पैसेंजर पर पेशाब की... बैंकॉक जा रही थी फ्लाइट

नई दिल्ली। एअर इंडिया की फ्लाइट में एक शख्स ने बगल में बैठे पैसेंजर पर पेशाब कर दी। विमान दिल्ली से बैंकॉक जा रहा था। एअर इंडिया के स्टेटमेंट के मुताबिक, घटना 9 अप्रैल की है। केबिन क्रू ने बताया कि दिल्ली-बैंकॉक फ्लाइट (AI2336) में एक पैसेंजर ने नियम के खिलाफ बर्ताव किया। मामले को डायरेक्टरेट ऑफ सिविल एविएशन के अफसरों को बता दिया गया है। मामले पर नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि अगर कुछ भी गलत हुआ है तो हम जरूरी कार्रवाई करेंगे। पीड़ित ने शिकायत करने से मना किया एयरलाइन ने बताया कि क्रू ने सारे नियम-कायदे फॉलो किए। इसके बाद अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। पेशाब करने वाले पैसेंजर को चेतावनी भी दी गई।

मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर को भारत लाया जा रहा स्पेशल फ्लाइट रवाना

वाशिंगटन। 2008 मुंबई आतंकी हमलों के दोषी तहव्वुर राणा को आज अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी फ्रअह की एक जॉइंट टीम तहव्वुर को लेकर स्पेशल फ्लाइट से रवाना हो चुकी है। उसके देर रात तक भारत पहुंचने की संभावना है। एनआईए अगले कुछ हफ्तों तक उसे अपनी कस्टडी में रखेगी। राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। तहव्वुर ने भारत आने से बचने के लिए याचिका दायर की थी। उसने अपनी याचिका में खुद को पार्किंसन बीमारी से पीड़ित बताते हुए कहा था कि अगर भारत डिपोर्ट किया गया तो उसे प्रताड़ित किया जा सकता है।

इजराइल से जुड़े होने की अफवाह पर हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़-लूटपाट

ढाका। बांग्लादेश में इजराइल विरोधी प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को कई इंटरनेशनल ब्रांड्स की दुकानों में लूटपाट और तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारी बाटा, केएफसी, पिज्जा हट और प्यूमा जैसे ब्रांड के शोरूम में घुस गए और वहां रखे सामानों को नुकसान पहुंचाया। यह घटना उस वक्त हुई जब हजारों लोग फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए सिलहट, चटगांव, खुलना, बरिशाल, कमिला और ढाका में सड़कों पर उतरे थे। माना जा रहा है कि ये हिंसा उन फेक न्यूज के चलते फैली, जिनमें ये दावा किया गया था कि ये कंपनियां इजराइल से जुड़ी हैं। घटना ऐसे समय हुई, जब बांग्लादेशी सरकार निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपने पहले ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की मेजबानी की तैयारी कर रही है।

ट्रम्प ने 90 दिनों के लिए रेसिप्रोकल टैरिफ रोका: चीन पर बढ़ाकर 125% किया, कहा- चीन समझ ले, अब लूटने के दिन गए

वॉशिंगटन ■

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 75 से ज्यादा देशों पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ 90 दिनों के लिए रोक दिया है। उन्होंने अपने फैसला पलटने के पीछे देशों के साथ व्यापार पर नई बातचीत का हवाला दिया। हालांकि उन्होंने चीन को इस छूट में शामिल नहीं किया है, बल्कि चीन पर टैरिफ को 104% से बढ़ाकर 125% कर दिया है। ट्रम्प ने यह कार्रवाई चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी 84% टैरिफ के बाद की।

चीन ने ग्लोबल मार्केट के लिए अनादर दिखाया है, उसकी वजह से मैं चीन पर लगाए जाने वाले टैरिफ को बढ़ाकर 125% कर रहा हूं। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उम्मीद है कि चीन आने वाले वक्त में यह बात समझ जाएगा कि अब अमेरिका और अन्य देशों को लूटने के दिन चले गए हैं।

ट्रम्प ने चीन को टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी

ट्रम्प ने फरवरी में चीन पर 10% टैरिफ लगाया था। इसके बाद उन्होंने मार्च में फिर से 10% टैरिफ लगा दिया। इस महीने की शुरूआत में ट्रम्प ने चीन पर 34% और टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके जवाब में चीन ने अमेरिका पर भी 34% टैरिफ लगा दिया था। ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि अगर चीन ने अमेरिका पर लगाया गया 34% टैरिफ वापस नहीं लिया तो उसे मार्च में लगाए 20% और 2 अप्रैल को लगाए गए 34% टैरिफ के साथ बुधवार से 50% एक्स्ट्रा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रम्प ने मंगलवार को चीन पर 50% टैरिफ लगा दिया, जो बढ़कर कुल 104% हो गया था। जिसे बुधवार को बढ़ाकर 125% कर दिया।

चीनी सामान दोगुने से ज्यादा महंगा बिकेगा

यूरोपीय यूनियन ने बुधवार को ट्रम्प के टैरिफ पर पलटवार करते हुए कई अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 25% तक टैरिफ लगाने को मंजूरी दी थी। ईयू इसके जरिए अमेरिकी पर समझौते का दबाव बनाना चाहता था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ईयू की लिस्ट में सोयाबीन, मांस, अण्डा, बादाम, लोहा, स्टील, कपड़ा, तम्बाकू और आइसक्रीम समेत कई अमेरिकी प्रोडक्ट्स को टारगेट किया गया था। वहीं, चीन के कॉमर्स मंत्रालय ने कहा है कि उसने 12 अमेरिकी कंपनियों को एक्सपोर्ट कंट्रोल लिस्ट में डाला है। इससे पहले 6 कंपनियों को 'गैर भरोसेमंद' की लिस्ट में डाला था। चीन पर 125% टैरिफ आज से लागू हो गया है। इसका मतलब है कि अब से अमेरिका पहुंचने वाले चीनी सामान दोगुने दाम से भी ज्यादा कीमत पर बिकेंगे।

होटल-एयरपोर्ट पर फिजिकल आधार कार्ड जरूरी नहीं

नई दिल्ली ■

होटल और एयरपोर्ट जैसी जगहों पर पहचान बताने के लिए जल्दी ही आपको फिजिकल आधार कार्ड या फोटोकॉपी देने की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नया आधार एप लॉन्च किया है, जिसके जरिए यूजर्स डिजिटली अपनी पहचान वेरिफाई करा सकेंगे। इस एप में फेस आईडी और क्यूआर कोड जैसे फीचर्स शामिल किए गए हैं, जिनसे यूजर्स यूपीआई पेमेंट की तरह होटल या एयरपोर्ट पर क्यूआर कोड को स्केन करके आधार कार्ड की जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके साथ ही यूजर्स एप से कितनी आधार डिटेल्स (जैसे सिर्फ आधार नंबर, पता और फोटो) शेयर करनी है, इसे भी कंट्रोल कर सकेंगे।

एप पर यूजर्स की पर्सनल डिटेल्स 100% सिक्योर

नए एप को यूआईडीएआई ने पूरी तरह डिजिटली सिक्योर बनाया है। इसका इंटरफेस चलाने में आसान है। एप में डेटा प्रोटेक्शन पर काम किया गया है। फर्जी दस्तावेजों की रोकथाम और डेटा लीक से सुरक्षा के लिए इसमें कई फीचर्स दिए जाएंगे। एप गूगल प्ले स्टोर पर आधार फेस आरडी के नाम से लॉन्च हुआ है। हालांकि, इसे अभी आधार संवाद के कुछ लोग ही यूज कर सकते हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 15 लोगों की मौत

नई दिल्ली ■

देशभर में भीषण गर्मी के बीच बिहार में बिजली गिरने से चार जिलों में 15 लोगों की मौत हो गई है। बेगूसराय और दरभंगा में 5-5, मधुबनी में 4 और औरंगाबाद में 1 की जान गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजन को 4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की है।

आज बुधवार को 4 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट और 27 जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। असम और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का क्षेत्र के कारण बिहार तक नमी युक्त हवाएं आ रही है, जिनसे उत्तर-पूर्व के इलाकों में मौसम बदला है। इधर, देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू का असर तेज होता जा रहा है। राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। दिल्ली में 15 साल अप्रैल में तापमान 40 डिग्री के पार गया है। कई इलाकों में हीटवेव के हालात हैं। इससे पहले 2011 में यह स्थितियां बनी थीं। राजस्थान के बाड़मेर में मंगलवार को टेम्परेचर 47 डिग्री रहा। 10 साल बाद अप्रैल में बाड़मेर का पारा 47 डिग्री पहुंचा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- तलब किए बिना अफसर आदेश नहीं मानते...

रोड एक्सीडेंट में घायलों के कैशलेस इलाज की स्कीम तैयार नहीं, 14 मार्च डेडलाइन थी

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने रोड एक्सीडेंट में घायलों के कैशलेस इलाज की स्कीम लागू न करने पर केंद्र सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- जब तक शीर्ष अधिकारियों को तलब न किया जाए, वे कोर्ट ऑर्डर को गंभीरता से नहीं लेते। हम पहले ही साफ कह रहे हैं, अगर हमें पता चला कि मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है तो हम अवमानना ??का नोटिस जारी करेंगे।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने बुधवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों को 28 अप्रैल को पेश होने को कहा है। साथ ही जनरल इंश्योरेंस काउंसिल को हिट एंड रन मामलों से जुड़े क्लेम के नए आंकड़े पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 8 जनवरी को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 162(2) के तहत सरकार को 14 मार्च तक स्कीम तैयार करने का निर्देश दिया था। मामला कोयंबटूर के गंगा अस्पताल में ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ एस राजसीकरन की रिट याचिका से जुड़ा है। याचिका में एक्ट की धारा 162 लागू करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है।

गडकरी ने कैशलेस इलाज योजना लॉन्च की थी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों के कैशलेस इलाज के लिए पायलट प्रोजेक्ट 'कैशलेस इलाज योजना' शुरू किया था। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसे जल्द ही देशभर में लॉन्च करने की घोषणा की थी। इससे देश में कहीं भी रोड एक्सीडेंट होने पर घायल के इलाज के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी।

डेढ़ लाख से ऊपर खर्च पर खुद पैसे देने होंगे

अस्पताल को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल में रेफर करना है तो उस अस्पताल को सुनिश्चित करना होगा कि जहां रेफर किया जा रहा है, वहां मरीज को दाखिला मिले। डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है तो बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके।

नौसेना को बड़ी ताकत, हिंद महासागर में बढ़ेगी क्षमता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फ्रांस से 26 मरीन राफेल फाइटर जेट की खरीदी को मंजूरी दे दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) ने 9 अप्रैल को डील पर मुहर लगाई। भारत को 64 हजार करोड़ रुपए में 26 मरीन फाइटर मिलने हैं। इसके बाद फ्रांस 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर जेट भारतीय नौसेना को सौंपेगा। इन्हें हिंद महासागर में चीन से मुकाबले के लिए आई.एन.एस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही थी। भारत नौसेना के लिए राफेल मरीन की डील उसी बेस प्राइज में करना चाहता था, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी।

बंगाल में लागू नहीं होगा वक्फ कानून...

मुख्यमंत्री ममता बोलीं- गोली मार दो पर धर्म के नाम पर बंटवारा मंजूर नहीं

नई दिल्ली ■

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी है, मुस्लिम समुदाय की संपत्ति की रक्षा करेगी।

ममता कोलकाता में जैन समाज के कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा-कुछ लोग पूछते हैं कि मैं हर धर्म के स्थानों पर क्यों जाती हूं। मैं पूरी जिंदगी जाऊंगी। चाहे कोई गोली मार दे, मुझे एकता से अलग नहीं किया जा सकता। बंगाल में धर्म के नाम पर बंटवारा नहीं होगा। जियो और जीने दो यही हमारा रास्ता है। इस बयान पर भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता फर्जी हिंदू हैं, अपनी भाषा और आचरण से उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की दुकानों पर तोड़फोड़ की गई, पुलिस पर हमला किया गया। फिर भी ममता चुप हैं। वक्फ संशोधन कानून लोकसभा-राज्यसभा से पास होने के बाद 8 अप्रैल से देश में लागू कर दिया गया है। इसकी संवैधानिकता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। कोर्ट इन पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगा। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ मामलों की सुनवाई करेगी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 10 याचिकाएं ही लिस्ट की हैं।

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में 1332 करोड़ का रेल प्रोजेक्ट मंजूर, 14 लाख तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी

नई दिल्ली ■

केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में बुधवार को कई अहम प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में तिरुपति से कटपडी तक 104 किमी की सिंगल रेलवे लाइन को डबल लाइन में बदला जाएगा। इसमें करीब 1332 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इससे आंध्र प्रदेश के तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर तक कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ ही अन्य प्रमुख स्थलों जैसे श्री कालहस्ती शिव मंदिर, कनिपकम विनायक मंदिर, चंद्रगिरी किला आदि तक भी रेल कनेक्टिविटी हो सकेगी। यह मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से करीब 400 गांवों और करीब 14 लाख आबादी तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके साथ ही इस परियोजना से रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 113 किमी बढ़ जाएगा।

पीएमकेएसवाई के तहत 1600 करोड़ की सबस्कीम मंजूर

इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत एक सबस्कीम को मंजूरी मिली है। इसके तहत कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट को अपग्रेड करने के लिए 1600 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। इस योजना से किसी क्लस्टर में मौजूदा नहरों या पानी के अन्य स्रोतों से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। इसमें पानी के सोर्स से एक हेक्टेयर तक के खेत तक अंडरग्राउंड पाइप लाइन के जरिए प्रेशराइज्ड वाटर सप्लाई होगी। इससे माइक्रो एरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। हालांकि, अभी पायलट प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी मिली है। इसके नतीजों के आधार पर 1 अप्रैल, 2026 से पूरे देश में योजना शुरू की जाएगी। 78 पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए करीब 80 हजार किसान शामिल होंगे। पाइप लाइन डालने के लिए जमीन अधिग्रहण नहीं होगा। पानी की बचत के लिए इस योजना में सरफेस वाटर (नदी, तालाब, झील आदि) का इस्तेमाल होगा। पानी के ऑटोमैटिक कंट्रोल के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स यानी संसाधनों के नेटवर्क और सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्यूजिशन सिस्टम का इस्तेमाल होगा। योजना में सैटेलाइट डेटा और जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम का भी इस्तेमाल होगा।

गुजरात में कांग्रेस का 84वां अधिवेशन

राहुल गांधी बोले-वक्फ बिल संविधान पर हमला, इसके बाद आरएसएस क्रिश्चियंस पर आक्रमण करेगी

अहमदाबाद ■

गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस के दो दिवसीय 84वें अधिवेशन का समापन हो गया। अधिवेशन में बुधवार को राहुल गांधी बोले- कुछ दिन पहले बीजेपी ने लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पास किया। यह फ्रीडम ऑफ रिलीजन, संविधान पर आक्रमण है। आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में लिखते हैं कि क्रिश्चियंस पर आक्रमण करने जा रहे हैं। ये एंटी-रिलीजन बिल है। ये देश के सभी लोगों को मालूम होना चाहिए।

राहुल ने कहा- बांग्लादेश के नेता भारत के खिलाफ बयान दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री वहां के नेता से मिले। उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला। कहां गई 56 इंच की छाती। इससे पहले मंगलवार को पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली। आज दूसरे दिन साबरमती रिवरफ्रंट पर मुख्य अधिवेशन हो रहा है, जिसमें देशभर से 1700 से अधिक कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल मौजूद हैं, लेकिन प्रियंका गांधी नहीं पहुंचीं।

चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए, ईवीएम से नहीं

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने ऐसी तकनीक बनाई है, जिससे उन्हें फायदा हो और विपक्ष को नुकसान। उनका सुझाव है कि चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए, ईवीएम से नहीं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव भी धोखे से जीता। महाराष्ट्र में 150 सीटों पर लड़कर 138 पर जीत हासिल की गई, जो 90 प्रतिशत जीत है। ऐसा पहले कभी नहीं देखा। खड़गे ने आगे कहा- सब कुछ पता लगा लिया जाएगा, क्योंकि चोर चोरी करता है और आज नहीं तो कल पकड़ा जाएगा।

नेहरू ने जो बनाया, उसे मोदी खत्म करना चाहते हैं

अधिवेशन के दूसरे दिन की शुरूआत झंडावंदन के साथ हुई। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी एक-एक करके सार्वजनिक क्षेत्र को बेचकर अपने दोस्तों को दे रहे हैं और देश को बेचकर चले जाएंगे। जवाहरलाल नेहरू ने जो बनाया, उसे मोदी खत्म करना चाहते हैं, जबकि सरकार अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचा रही है। वे सिर्फ कांग्रेस को गालियां देते हैं, इसके अलावा कोई बात नहीं करते।

गुजरात ने लगातार चौथा आईपीएल मैच जीता, राजस्थान को 58 रन से हराया

अहमदाबाद ■

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 23वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 58 रन से हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में राजस्थान ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 6 विकेट खोकर 217 रन बनाए। जवाब में रॉयल्स की टीम 159 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। गुजरात से साई सुदर्शन ने 82 रन की पारी खेली। जोस बटलर और शाहरुख खान ने 36-36 रन बनाए। बॉलिंग में प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट लिए। साई किशोर और राशिद खान को 2-2 विकेट मिले। राजस्थान से महीश तीक्षणा और तुषार देशपांडे ने 2-2 विकेट लिए। शिमरोन हेटमायर ने 52 और संजू सैमसन ने 41 रन बनाए। साई किशोर ने 20वें ओवर में दूसरा विकेट लिया। उन्होंने तुषार देशपांडे को कैच कराया। इसी के साथ राजस्थान रॉयल्स 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

बड़बोले विधायकों की हो रही मॉनिटरिंग: भाजपा की साख पर दाग लगाने वालों पर कसी जाएगी नकेल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

चाल, चरित्र और चेहरा ट्ठ वाली भाजपा अपने उन विधायकों की मॉनिटरिंग करवा रही है जो पार्टी गाइड लाइन के खिलाफ है कि कई विधायकों के बड़बोले रवैए से भाजपा की साख गिर रही है। हालिया विधानसभा के बजट सत्र में कई विधायकों ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया।

खासकर जिस तरह भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने विधानसभा में सरकार की जमकर किरकिरी कराई। ऐसे में अब पार्टी ने ऐसे विधायकों पर नकेल कसने की तैयारी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि भाजपा कैडर बेस पार्टी है और पार्टी के नेता सुशासित माने जाते हैं। लेकिन कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि भाजपा विधायक पार्टी गाइड लाइन को पार कर जाते हैं। विधानसभा में सरकार के खिलाफ प्रश्न लगाकर भाजपा की सरकार और संगठन को कटघरे में खड़ा करने वाले आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय इकलौते विधायक नहीं हैं। कई और भी विधायक हैं, जो अपनी

सरकार की किरकिरी करा चुके हैं। ऐसे विधायकों पर भी पार्टी अब शिकंजा कसने जा रही है। उनकी हर गतिविधि पर पार्टी नजर रख रही है। यह मामला मालवीय के कारण ताजा हो गया है।

मालवीय के बहाने कई निशाने पर

अब यह सियासत का बड़ा मुख है। उसके बाद भाजपा संगठन ने मालवीय को नोटिस जारी किया है। दावा किया गया कि नोटिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आदेश पर जारी किया गया है। इस मामले में मालवीय से एक सप्ताह के अंदर जवाब देने को कहा गया है। समय पर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पार्टी अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है। मालवीय के पास बिना शर्त माफी मांगकर मामले का पटाक्षेप का विकल्प खुला हुआ है, लेकिन उन्होंने इस विकल्प को चुनने चुनने से से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वे माफी नहीं मांगेंगे, पार्टी के नोटिस का जवाब देंगे। भाजपा सूत्रों की माने तो मालवीय के अलावा पार्टी उन विधायकों पर भी शिकंजा कसने जा रही है, जो सत्ता और संगठन की किरकिरी कराने पर तुले हुए हैं। पार्टी के कई विधायक हैं, जो अपनी सरकार को घेरने में जुटे हैं। भाजपा ऐसे विधायकों की हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रख रही है। मालवीय के बहाने पार्टी ने बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। अगर और कोई भी विधायक सार्वजनिक स्थानों पर भाजपा या भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास करेंगे, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। मप्र भाजपा में संगठन चुनाव चल रहे है। इस बीच, पार्टी में अंदरूनी विवाद लगातार सामने आ रहे हैं। पार्टी के नेता एक दूसरे के खिलाफ बोल रहे हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो इसकी शिकायत पाटों के केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंच गई है। जिन नेताओं के बीच विवाद है उनमें देवतालाब विधानसभा से विधायक गिरीश गौतम और मऊगंज से विधायक प्रदीप पटेल हैं। वहीं सीधी से विधायक रीति पाठक ने कुछ दिन पहले ही उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने एक कार्यक्रम में मंच से डिप्टी सीएम को कहा कि वह रीवा के साथ ही सीधी का भी विकास करें। उधर, बुदेलखंड में पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह और मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के बीच टकराव जारी है। भूपेंद्र सिंह का आरोप है कि गोविंद सिंह राजपूत ने भाजपा कार्यकताओं को परेशान किया है। वह उनको दिल से कभी स्वीकार नहीं करेंगे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के गुटों के बीच भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी की गुटबाजी का असर बीते चुनावों पर भी पड़ा है। रामनिवास रावत की विधानसभा उपचुनाव में हार को इसी का परिणाम माना जा रहा है।

मालवीय के कारण पार्टी की किरकिरी

बजट सत्र के दौरान आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय द्वारा उज्जैन के सिंहस्थ क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उज्जैन सिंहस्थ के लिए 2 हजार करोड़ रुपए की राशि रखी गई है। उज्जैन को गर्व है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री उज्जैन से हैं, लेकिन आज उज्जैन का किसान बहुत डरा और परेशान है। सिंहस्थ के नाम पर पहले उसकी जमीन केवल 3 से 6 महीनों के लिए अधिग्रहित की जाती थी, लेकिन अब उन्हें स्थायी अधिग्रहण का नोटिस दिया गया है। पता नहीं किस अधिकारी ने यह विचार रखा है कि स्पिरिचुअल सिटी बनाएंगे। मैं बताना चाहता हूं कि स्प्रिचुअलिटी किसी सिटी में नहीं रहती है। वह तो त्याग करने वाले लोगों से होती है। हम कांक्रीट के भवन बनाकर स्पिरिचुअल सिटी नहीं बना सकते। मालवीय ने उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में स्थाई निर्माण, किसानों की भूमि के स्थाई अधिग्रहण और कॉलोनाइजरों व भूमाफियाओं की साजिश होने की आशंका बताई थी। उन्होंने यह तक कहा था कि कफन में जेब नहीं होती है। मालवीय के सदन में दिए बयान ने तूल पकड़ लिया।

इंदौर के पालाखेड़ी की आवासीय स्कीम हाईकोर्ट ने की शून्य घोषित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की चर्चित पालाखेड़ी स्कीम हाईकोर्ट ने शून्य घोषित कर दी है। 13 साल पहले हाऊसिंग बोर्ड ने इसे घोषित किया था। इस स्कीम का किसानों ने खूब विरोध किया था। 13 वर्षों में हाऊसिंग बोर्ड ने योजना पर कोई काम नहीं किया। बोर्ड के संचालक मंडल से भी यह स्कीम मंजूर नहीं हो पाई थी। कोर्ट के फैसले से किसानों को राहत मिली है। यह स्कीम 600 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में लागू होना थी। पालाखेड़ी के आसपास इंदौर विकास प्राधिकरण ने भी योजना घोषित की थी। इस कारण किसान विरोध में उतरे थे। इस स्कीम को सरकार की तरफ से मंजूरी मिल गई थी, लेकिन बोर्ड किसानों से जमीन अधिगृहित नहीं कर पाया था। इस मामले में किसानों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। कोर्ट ने माना कि बोर्ड ने स्कीम घोषित करने के बाद तय प्रावधानों का पालन नहीं किया। कोर्ट ने बोर्ड को निर्देश दिए कि वे याचिकाकताओं को 25-25 हजार

रुपये हजार्ना बतौर दे।

टीसीएस ने भी ली थी आपत्ति

सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में प्रदेश सरकार ने जब टीसीएस को जमीन दी थी तो उन्होंने शर्त रखी थी कि कंपनी के आसपास ईडब्लूएस श्रेणी की कोई स्कीम घोषित न हो। प्राधिकरण उस क्षेत्र में चार स्कीम पूर्व में घोषित कर चुका था। कोर्ट के सामने पक्ष रखा गया कि बोर्ड के संचालक मंडल ने योजना को मंजूरी नही दी। 13 साल से स्कीम को लेकर कोई कवायद नहीं हुई। बोर्ड ने मुआवजे की दस प्रतिशत राशि जमा नहीं कराई और जमीन का कब्जा भी लेने की कोई कवायद नहीं की।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन एवं पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी संबंधी संभागीय समीक्षा सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत पात्र हितग्रहियों के ईकेवायसी एवं समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ के शीघ्र भुगतान हेतु मध्यप्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी की अध्यक्षता में वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, प्रदेश के समस्त जिलों के कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में इंदौर से उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, सहायक संचालक कृषि श्रीमती नम्रता गुरनानी, नागरिक आपूर्ति सिविल सप्लाई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रिंकेश वैश्य, विभाग के श्री पुरुषोत्तम पाटीदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सभी पात्र हितग्राहियों की ईकेवायसी 30 अप्रैल तक करा ली जाये। मोबाइल ऐप के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन किये जाना प्रस्तावित है। समस्त पात्र हितग्राहियों के डाटाबेस में आधार नंबर की सीडिंग पूर्व से ही की जा चुकी है। इसके लिए ईकेवायसी दल को प्रशिक्षण दिया जाये। इस कार्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग का सहयोग लिया जाये।

मप्र के 30 जिलों में लू का अलर्ट, कई जिलों में पारा 40 के पार, 11 अप्रैल से बदलेगा मौसम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को गुना, रतलाम और नर्मदापुरम जैसे शहरों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जहां लू भी चली। मौसम विभाग ने जबलपुर और ग्वालियर समेत कुल 30 जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। भोपाल मौसम केंद्र के अनुसार, धार में न केवल दिन बल्कि रातें भी गर्म रहेंगी। अशोकनगर, गुना, रतलाम, मंदसौर और नीमच में हीट वेव का ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

लू का येलो अलर्ट और प्रभावित जिले

राज्य के कई जिलों में लू की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया

गया है। ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, सागर, दमोह, जबलपुर, मंडला, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, राजगढ़, उज्जैन और आगर-मालवा इनमें शामिल हैं। 10 अप्रैल को भी रतलाम, नीमच, मंदसौर, उज्जैन, धार, जबलपुर और मंडला में लू चलने की संभावना है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, वर्तमान में पश्चिमी राजस्थान से लेकर पश्चिमी विदर्भ तक एक टर्फ सक्रिय है। इसके अलावा वेस्टर्न डिस्टबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन का भी प्रभाव है, जिससे गर्मी बनी हुई है। लेकिन 11 और 12 अप्रेल को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कुछ जिलों में बादल छाए रहेंगे तो कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। जिन 30 जिलों में मौसम में यह बदलाव होगा, उनमें इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तेज गर्मी के बीच बारिश की झलक

मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में मौसम के दो रंग नजर आए। एक तरफ जहां तेज गर्मी थी, वहीं कुछ क्षेत्रों में बारिश भी हुई। छिंदवाड़ा में गरज और बिजली के साथ बारिश दर्ज की गई। बैतूल, डिंडौरी और पांढुर्णा में भी मौसम में बदलाव देखा गया। तापमान की बात करें तो गुना में 43.4 डिग्री, रतलाम और नर्मदापुरम में 43.2 डिग्री, धार में 42.9 डिग्री और सागर में 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। शाजापुर, खजुराहो और नौगांव में भी तापमान 42.4 डिग्री तक पहुंच गया। प्रमुख शहरों में भोपाल में 41.2 डिग्री, इंदौर में 41.1 डिग्री, ग्वालियर में 41.9 डिग्री, उज्जैन में 42.5 डिग्री और जबलपुर में 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त सेवा परीक्षा 13 अप्रैल को तीन सत्रों में होगी

14 उप केन्द्रों पर 5 हजार 361 परीक्षार्थी शामिल होंगे

इंदौर

संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा-(क) 2025 के साथ संयुक्त सेवा परीक्षा आगामी 13 अप्रैल को इंदौर के 14 उप केन्द्रों पर तीन सत्रों में आयोजित की जायेगी। परीक्षा का प्रथम सत्र सुबह 9 बजे से 11 बजे तक, दूसरा सत्र दोपहर 12.30 से 2.30 बजे तक तथा तीसरा सत्र 4 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। उक्त परीक्षा में कुल 5 हजार 361 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। उक्त परीक्षा हेतु परीक्षा समन्वयक अधिकारी संभागायुक्त श्री दीपक सिंह को

जूना रिसाला में आयोजित ईद मिलन समारोह में मोहब्बत व भाईचारे की घुली मिठास

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बीती शाम जूना रिसाला में आयोजित ईद मिलन पर मोहब्बत व भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। कहते है कि ईद यानी खुशी और खुशी के इस मौके पर खुशदिल इंसान जब एक जाजम पर बैठ जाएं तो खुशियों में चार चाँद लग जाते हैं। ऐसी ही ईद मिलन की महफिल में सभी धर्म के लोग शामिल हुए और मिलजुलकर त्योहार मनाने का संदेश दिया।

फादर पायस, गुना से शहीद भगत सिंह पुस्तकालय के लोकेश शर्मा और जिला हज कमेटी के उपाध्यक्ष रेहान अंसारी ने महफिल को खुशनुमा बना दिया। शुरूआत में नूरी फाउंडेशन के अब्दुल मलिक नूरी ने बताया समारोह का मुख्य उद्देश्य लोगों को एक-दूसरे को करीब लाना और देश में भाईचारे का संदेश देना है। मुख्य अतिथि फादर पायस ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज के सभी तबकों को जोड़ने का काम करते हैं और सौहार्द को बढ़ाते हैं। जिला हज कमेटी के उपाध्यक्ष रेहान अंसारी ने एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। भगतसिंह पुस्तकालय के लोकेश शर्मा ने कहा भारत धर्म निरपेक्ष देश है. यहां रहने वाले सभी जाति व धर्म का लोग सम्मान करें। ईद मिलन समारोह में प्रमोद नामदेव, साजिद अंसारी, एडवोकेट मो. फारूक एडवोकेट साजिद, मुस्तफा बादशाह, जफर मेव सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। संचालन ताहिर कमाल सिद्दीकी ने किया। आभार अब्दुल मलिक नूरी ने माना।

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों को गंभीरता से करें निराकृत-कलेक्टर आशीष सिंह

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा है कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों को गंभीरता के साथ निर्धारित समय-सीमा में सकारात्मक रूप से निराकृत करें। आवेदनों के निराकरण में किसी भी तरह की लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं होगी। लापरवाही और उदासीनता बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय में ?विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आगामी सोमवार तक का समय देते हुए कहा कि अधिक से अधिक प्रकरण इस अवधि में निराकृत करें। आगामी मंगलवार को पुनः समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज आवेदनों के निराकरण को अधिकारी अपने शासकीय ?दिनचर्या में शामिल करें। कार्यालय पहुंचते ही सबसे पहले सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों को देखें। गंभीरता के साथ अध्ययन करें। आवेदकों से चर्चा करें। यथासंभव प्रकरण उसी ??दिन निराकृत भी करें। प्रयास करें कि आवेदनों का निराकरण सकारात्मक हो। सभी अधिकारी 50 दिन से अधिक अवधि के लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का मांडू पहुँचने पर आत्मीय स्वागत किया गया उन्हें मांडू की प्रसिद्ध ऐतिहासिक खुरासानी इमली भेंट की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का इंदौर आगमन पर आत्मीय स्वागत

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर आये। इंदौर विमानतल पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्रीजी का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, पुलिस आयुक्त श्री संतोष सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा सहित अन्य अधिकारी और श्री सुमित मिश्रा आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विमानतल से ही कुक्षी के लिए रवाना हुए।

इंदौर मंडी सचिव को हटाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मंडी अधिकारियों द्वारा किसान नेताओं पर झूठी एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर देपालपुर में दिया किसान संगठनों ने ज्ञापन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

गत दिनों चोइथराम मंडी में संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा किसान पर हुए हमले के विरोध में किए गए प्रदर्शन के मामले में इंदौर कृषि उपज मंडी सचिव के दबाव में मंडी सहायक उप निरीक्षक राजू कुवाल द्वारा किसान नेताओं पर पुलिस में झूठी और फर्जी एफआईआर दर्ज कराए जाने के विरोध में आज एसडीएम कार्यालय देपालपुर में किसान संगठनों द्वारा ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व चंदन सिंह बड़वाया, बबलू जाधव, शैलेंद्र पटेल आदि ने किया।

प्रदर्शन व ज्ञापन में प्रमुख रूप से पूर्व सरपंच योगेश पटेल ,सतीश पटेल सरपंच विष्णु पटेल, सुभाष चन्देल ,आशीष पटेल

,विकास डोड ,देवम ठाकुर ,भूपेंद्र पटेल शामिल थे ज्ञापन में कहा गया है कि इंदौर की चोइथराम मंडी में गत दिनों मानपुर के किसान के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा चाकूबाजी कर चोट पहुंचाने की घटना के बाद विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संगठन, किसान संघर्ष समिति, अखिल भारतीय किसान मजदूर संगठन, किसान मजदूर सभा, भारतीय किसान मजदूर सेना और किसान सभा (अजय भवन) के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से किसानों की सुरक्षा करने, असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने,अवैध वसूली पर रोक लगाने और व्यवस्था बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। किसानों की आवाज दबाने और अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए मंडी सचिव नरेश परमार ने सहायक उप निरीक्षक राजू कुवाल द्वारा किसान संघर्ष समिति के प्रदेश सचिव एवं मालवा-निमाड क्षेत्र संयोजक वरिष्ठ पत्रकार रामस्वरूप मंत्री, भारतीय किसान मजदुर सेना के प्रदेश अध्यक्ष बबलू जाधव एवं शैलेन्द्र पटेल पर बिना अनुमति मंडी प्रांगण में नारेबाजी कर मंडी कर्मचारियों के शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने की झूठी एफ आई आर दर्ज कराई गई ।शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखने वाले किसान नेताओं पर फर्जी एफआईआर दर्ज कराने वाले मंडी समिति के सहायक उप निरीक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने एवं किसान नेताओं पर दर्ज फर्जी एफआईआर रद्द कराने के निर्देश जारी करने की मुख्यमंत्री से मांग की गई साथ ही इंदौर मंडी सचिव नरेश परमार को तत्काल हटाए एवं उनके कार्यकाल की जांच की जाए अभी वर्तमान में कई व्यापारी मंडी में किसानों का भुगतान नहीं कर रहे जिससे किसान परेशान हो रहे मंडी सचिव का इस ओर कोई ध्यान नहीं है कई किसानों ने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की है किसान नेताओं ने अन्य समस्याएं भी उठाई जेसे घोड़ा रोज की समस्या का समाधान किया जाए। सहकारी सोसाइटियों की ऋण भरने की तारीख को 30 मई किया जावे। समर्थन मूल्य गेहूं खरीदी केंद्रों पर ट्रैक्टरों की लंबी-लंबी लाइन लग रही है इस व्यवस्था को सुधारा जाए।

महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा 14 तक चलेगी संगीतमय भागवत कथा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बीजलपुर में आयोजित सार्वजनिक भागवत कथा का शुभारंभ 8 अप्रैल को हुआ, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। कथा आचार्य देव जी महाराज (वृंदावन) के निर्देशन में संगीतमय रूप से हो रही है, जो 14 अप्रैल तक चलेगी।

बीजलपुर में सार्वजनिक भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। 8 अप्रैल को निकली कलश यात्रा में सैकड़ों धर्मप्रेमी महिलाओं ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया। आचार्य देव जी महाराज (वृंदावन) के द्वारा संगीतमय कथा का आयोजन बीजलपुर में हो रहा है। कथा 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आयोजित की जा रही है। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चंद्रवंशी खाती समाज धर्मशाला बीजलपुर में चल रही कथा में सैकड़ों भक्तगण रोज आ रहे हैं। कथा के सूत्रधार प्रीतेश पटेल ने बताया कि कथा में महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग भी आ रहे हैं। स्कूलों के अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में बच्चे भी कथा में शामिल हो रहे हैं।

भक्तों की सुविधाओं के लिए बांट ली जिम्मेदारी

अमर पटवारी, कपिल बोरवाला, आशीष पटवारी, अजय पटेल, केतन बागवाला, निखिलेश बागवाला, अंकित चौधरी, अनुराग मुनीम, आकाश पटेल, अंकित वर्मा और अन्य साथियों के द्वारा कथा की व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। सभी ने अपनी जिम्मेदारियां बांट ली हैं और भक्तों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। लंबित न्यायालयीन प्रकरणों के आपसी सुलह समझौते के माध्यम से त्वरित निराकरण के लिये समस्त न्यायालयों में 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस सिलसिले में कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं इंदौर उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में भी 10 मई (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

स्टेट प्रेस क्लब के रूबरू कार्यक्रम में पहुंचे देश के वैकल्पिक मीडिया के सुपरस्टार ने चेताया एआई के कारण खतरे में हैं मीडिया जगत के जॉब

मीडिया में सफल होने के लिए जरूरी है ईगो को दूर रखना : संजय शर्मा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आज मीडिया में सार्थक काम कर पाना बहुत मुश्किल होता जा रहा है। नौकरियों की कमी है और तिस पर कई कार्य एआई से करना संभव हो गया है। ऐसे में स्वयं का वेब मीडिया एक अच्छा विकल्प है लेकिन इसमें सफल होने के लिए आवश्यक है कि पत्रकार होने की हनक और ईगो को दूर रखा जाए और हर तरह की स्टोरी और परिस्थिति के लिए स्वयं को तैयार कर लंबी पारी खेली जाए क्योंकि इसमें शुरू के दो साल कोई पैसा नहीं है।

ये बात राजनीतिक टिप्पणी करने वाले वेब चैनलों में लंबे समय से लगातार शीर्ष पर चल रहे 4 पीएम न्यूज के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री संजय शर्मा ने स्टेट प्रेस क्लब, मप्र द्वारा आयोजित 'रूबरू' कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि मीडिया जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने कंटेंट राइटर, वॉइस ओवर, बैकग्राउंड स्टोरी, इलस्ट्रेशन आदि के बहुत से काम के लिए टीम की बजाय एक व्यक्ति की जरूरत शेष रखी है। पारंपरिक मीडिया हाउस चलाना बेहद मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में वैकल्पिक मीडिया नई पीढ़ी के पत्रकारों को राह दे रहा है लेकिन इसमें टिकने के लिए वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था भी रखें। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि बीच में एक दौर ऐसा आया जब उन्हें चाय - मैगी के आउटलेट्स की तैयारी करनी पड़ी। हम पत्रकार हैं तो दूसरे काम कैसे करें या सिर्फ पॉलिटिकल, पुलिस की स्टोरी करेंगे, ऐसी मानसिकता त्यागनी होगी। बहुत से प्रकार की स्टोरीज दर्शक देखना चाहते हैं। नए विषय, जीवन से जुड़ी स्टोरीज चुनें और अपना व्यूअर बेस बनाएं। यूट्यूब में शुरू में कोई पैसा नहीं मिलता लेकिन अपने लक्ष्य पर डटकर टिके रहे तो बाद में खर्च न कर सको इतना रुपया भी मिलता है।

प्रस्तावित ब्रॉडकास्ट बिल वैकल्पिक मीडिया को समाप्त कर देगा यह आशंका जाहिर करते हुए श्री संजय शर्मा ने कहा कि आज सरकारों ने बड़े मीडिया मालिकों से सीधे दोस्ती कर छोटे मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को नजरअंदाज कर समाप्त करने की नीति बना रखी है। जिस तरह से भारत में पत्रकारों का शोषण, दमन होता है और उन पर मुकदमे लादे जाते हैं उसे देखकर लगता है कि भविष्य में सिर्फ सरकारी बातें और वाहवाही करने वाले पत्रकार ही बचेंगे। राजनैतिक पैकेजों ने देश में पत्रकारिता की धार कुंद की है। गुणगान करने वाले पत्रकारों जैसे सुधीर चौधरी को सरकारी मीडिया में 15 करोड़ के वार्षिक पैकेज पर लिए जाने को उन्होंने जनता के धन का दुरुपयोग बताया। श्री शर्मा मानते हैं कि पिछले कुछ चुनावों में वोटर लिस्टों में हेरफेर कर परिणाम प्रभावित किए गए। उन्होंने सवाल किया कि आखिरी घंटों में वोटिंग के प्रतिशत में अचानक इजाफा क्यों होता है जबकि पोलिंग बूथों पर कोई लाइनें नहीं होतीं। उन्होंने यह भी कहा कि कम्यूनल ताकतों से लड़ने के लिए कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों से बेहतर तालमेल बैठाना होगा। श्री शर्मा ने कहा कि आज देश की सारी नीतियां उच्च मध्यम और उच्च वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं। बहुसंख्य वर्ग के लिए रोजगार, ईलाज पाना भी दूभर होता जा रहा है। लेकिन देश में आज माहौल यह है कि बाकी सारे मुद्दे एक तरफ और औरंगजेब की कब्र एक तरफ। साम्प्रदायिकता की भावना भड़काकर तानाशाही का शासन किया जा रहा है और देश के असली मुद्दे गौण हो गए हैं।

अपने आरंभिक उद्बोधन में श्री शर्मा ने बदायूं जैसी छोटी जगह से दो सौ रुपए प्रतिमाह की नौकरी से प्रारंभ कर आज आज हर माह 15 - 20 करोड़ व्यूज वाले कई वेब चैनलों तक पहुंचने के संघर्ष की रोमांचक दास्तां सुनाई। शीघ्र ही 4 पीएम फि ल्म निर्माण में कदम रख रहा है और एक नामी निर्देशक के साथ फि ल्म प्रारंभ होगी जो झारखंड की पृष्ठभूमि पर होगी। इससे पूर्व नई प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए म्यूज़िक कंपनी भी लॉन्च की गई थी जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला। कार्यक्रम के प्रथम चरण में स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, प्रकाश त्रिवेदी, कुमार लाहोटी, शिवाकांत बाजपेयी, सादिक मंसूरी, संजय मेहता,दीपक माहेश्वरी ने श्री शर्मा का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृतिकर्मी - पत्रकार आलोक बाजपेयी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा ने किया।

सीएम यादव बोले- कांग्रेस ने वर्ग विशेष के चक्कर में बहुसंख्यक वर्ग के साथ अन्याय किया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार को धार जिले के कुक्षी में जाने के लिए इंदौर विमानतल पहुंचे। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने तो इस देश की आजादी के संघर्ष के साथ-साथ हमारे पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया। तब राहुल गांधी के पूर्वज नेहरू को इसके लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया था और उन्होंने मना कर दिया था। दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है, गांधी परिवार आज भी राम मंदिर के दर्शन करने से बच रहा है। कांग्रेस अब सरदार पटेल के सिद्धांतों पर चलना चाहती है तो देर से ही सही दुरुस्त आई है।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ -सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के आधार पर हमारी सरकारें देश भर में जनता की सेवा कर रही हैं, जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, वहां विकास की गंगा बह रही है। बंगाल में हो रहे आंदोलनों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन-जिन लोगों ने वक्फ कानून का विरोध किया, उनके वहां ही क्यों आग लगी है। इससे कांग्रेस की साजिश बेनकाब हुई है। कांग्रेस ने वर्ग विशेष के वोटों के चक्कर में बहुसंख्यक वर्ग के साथ अन्याय किया। कुक्षी में दो आयोजनों में शामिल होने के बाद वे पर्यटन स्थल मांडू पहुंचे। विमानतल पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

इंदौर में पराली जलाने से बढ़ा प्रदूषण, केंद्र से जारी हुए खतरनाक आंकड़े, कलेक्टर ने की नई पहल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में खुले स्थानों पर कचरा जलाने के साथ-साथ फसल कटाई के बाद खेतों में पराली यानी नरवाई जलाने के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय इन घटनाओं को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी कर रहा है। साथ ही सभी जिलों की रैंकिंग भी की जा रही है और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सेटेलाइट डाटा की रिपोर्ट कलेक्टरों को भेजी जा रही है, ताकि वे अपने जिलों में इस पर कार्रवाई कर सकें।

इंदौर में भी 186 स्थानों पर पराली और कचरे को जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिनकी जानकारी सेटेलाइट डाटा के माध्यम से प्राप्त हुई है। किसानों के विरोध के कारण कई जिलों के कलेक्टर पराली

जलाने की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। जबकि केंद्रीय सरकार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनजीटी लगातार इस संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एकत्र किए गए सेटेलाइट डाटा के आधार पर संबंधित जिलों के कलेक्टरों को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया है। इस डाटा में होशंगाबाद जिले में सबसे ज्यादा 292 स्थानों पर पराली जलाने की घटनाएं मिली हैं। इसके बाद छिंदवाड़ा, सागर, उज्जैन और सिहोर जैसे जिलों में भी यह समस्या अधिक है। इंदौर जिले में भी 186 स्थानों पर कचरा और पराली जलाने के मामले सामने आए हैं। प्रमुख सचिव पर्यावरण ने भी इस मामले पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी कलेक्टरों को आग की घटनाओं की रोजाना रिपोर्ट भेजने का आदेश दिया है। साथ ही, इन घटनाओं पर नियंत्रण करने के लिए सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी है। यह प्रयास इसलिए किया जा रहा है ताकि पर्यावरण पर होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित किया जा सके। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

किसानों को जागरूक करने के लिए प्रचार रथ अभियान

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने किसानों को जागरूक करने के लिए एक प्रचार रथ तैयार करवाया है, जो जिले के सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में जाएगा। इस रथ के माध्यम से किसानों को अवशेष नरवाई यानी पराली के सुरक्षित प्रबंधन के बारे में जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सिंह ने बताया कि 16 अप्रैल तक कृषि से जुड़े सभी मैदानी अधिकारियों, पटवारियों और पंचायत सचिवों के साथ मिलकर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किसानों से अपील की गई है कि वे पराली न जलाएं, क्योंकि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। इसके बजाय पराली से भूसा और जैविक खाद बनाई जा सकती है। अन्यथा शासन के नोटिफिकेशन के आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा।

इंदौर के ट्रैफिक थाने में लगी आग, जब्त किए 100 से ज्यादा वाहन जलकर खाक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र के ट्रैफिक थाना परिसर में बुधवार को आग लग गए। आग उस हिस्से में लगी, जहां वर्षों से जब्त किए गए दोपहिया वाहन रखे गए थे। आग की भेंट 100 से ज्यादा वाहन चढ़ गए। फायर ब्रिगेड के आने तक वाहन जलते रहे और काला धुआं दो किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। आग कैसे लगी, इसकी वजह पता नहीं चल पाई।

सबसे पहले एक वाहन ने आग पकड़ी थी। इसके बाद दूसरे वाहन भी उसकी चपेट में गए और देखते ही देखते कुछ ही देर में आसपास रखे 100 से ज्यादा वाहन जल उठे। वाहनों के टायरों के कारण आग तेजी से फैली। दो

टैंकरों पानी के उपयोग के बाद एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। थाना भवन दूर था। इस कारण वहां तक आग नहीं पहुंच पाई। थाना परिसर में आग बुझाने के सयंत्र नहीं थे। इस कारण आग पर समय रहते ट्रैफिक जवान काबू नहीं कर पाए थे। दमकलों के पहुंचने तक आग काफी फैल चुकी थी।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी आज देंगे सड़कों और फ्लाय ओवर की बड़ी सौगातें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी आज 10 अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिये इंदौर संभाग के बदनावर के खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से सड़कों और फ्लाय ओवर की बड़ी सौगातें देंगे। यह कार्यक्रम सुबह साढ़े 11 बजे आयोजित किया गया है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से वे उज्जैन-बदनावर खंड NH752D पर नवनिर्मित 4 लेन सड़क का लोकार्पण करेंगे। साथ ही इनके द्वारा उज्जैन-गरोठ NH752Dके खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे, उज्जैन-गरोठ ठ्ल752ऊके सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे, जीरापुर-सुसनेर-मध्य प्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर NH752D खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क तथा बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त 3 लेन सड़क का भी लोकार्पण किया जायेगा।

किसान मर रहा मतलब इंसानियत खत्म हो रही, यह बड़े संकट की शुरूआत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देश में किसान आत्महत्या कर रहा है मतलब इंसानियत खत्म होती जा रही है। दुनिया की बड़ी से बड़ी अर्थव्यवस्था का आधार सबसे छोटा किसान होता है। यदि वह संकट में है तो बहुत जल्द वह देश संकट में आ जाएगा। यह बातें वरिष्ठ पत्रकार पी साईनाथ ने इंदौर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव समापन सत्र में कही। स्व. राजेंद्र माथुर स्मृति व्याख्यान सत्र में साईनाथ ने पत्रकारिता, समाज और किसानों से जुड़े पहलुओं को छुआ। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया आज केंद्रीय व्यवस्था की तरफ जा रही है। दुनिया में दस से 20 लोगों के पास इस दुनिया

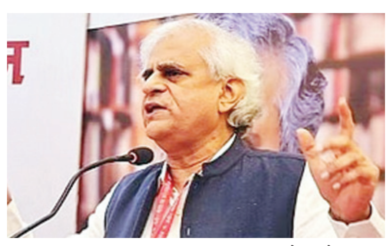

की संपत्ति का अधिकांश हिस्सा है और पूरी दुनिया के करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

किसान से आज कोई शादी नहीं करता

उन्होंने कहा महाराष्ट्र में हर साल एक से दो लाख शादियां कैंसिल हो जाती हैं क्योंकि किसान पैसा इकट्ठा नहीं कर पाता है। यदि आप किसान हैं तो कोई आपसे शादी नहीं करेगा। भारत में अधिकतर किसान अपनी खेती से जीवन यापन भी नहीं कर पाते हैं। आज सरकारों के द्वारा आंगनबाड़ी जैसी जरूरी सुविधाओं का फंड लाड़ली बहना योजना में दिया जा रहा है। देश की बड़ी कंपनियां आज आंगनबाड़ी को गोद ले रही हैं और सरकार अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों से भाग रही है। हम सभी को देश और दुनिया में चल रहे इन बदलावों पर विचार करना चाहिए और सच के लिए आवाज उठाना चाहिए।

पहाड़ी पर लगाए पौधे, सीवरेज के पानी से सींचेंगे, 10 करोड़ रुपए करेंगे खर्च

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रेवती रेंज की पहाड़ी के पौधों तक सीवरेज का पानी पहुंचाने के लिए नगर निगम 10 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इस ठेके में नगर निगम को 16 लाख रुपए की बचत का भी अनुमान है। इस कार्य के लिए नगर निगम ने एक टेंडर जारी किया था, जिसमें दो कंपनियों ने इस काम को करने में रुचि व्यक्त की। निगम को इस काम के लिए न्यूनतम 10.06 करोड़ रुपए का ऑफर मिला, जो पहले अनुमानित 10.22 करोड़ रुपए से कम है।

पौधों के लिए जल आपूर्ति की व्यवस्था

पिछले मानसून के दौरान, प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पहल पर उज्जैन रोड स्थित रेवती रेंज की पहाड़ी पर 12.5 लाख पौधे लगाए गए थे। उस समय एक बड़ी समस्या यह थी कि इन पौधों को जीवित रखने के लिए पानी की व्यवस्था कैसे की जाए। नगर निगम ने पहाड़ी क्षेत्र में बोरिंग करवाई थी, जिसका इस्तेमाल अब तक इन पौधों को पानी देने के लिए

किया जा रहा था। हालांकि, अब निगम ने एक नया टेंडर जारी किया है, जिसमें कबीटखेड़ी से रेवती रेंज की पहाड़ी तक पानी लाने का काम किया जाएगा।

जल पुनर्चक्रण का महत्व

नगर निगम द्वारा यह तय किया गया है कि ड्रेनेज का पानी कबीटखेड़ी के ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित होकर रेवती रेंज की पहाड़ी पर पौधों की देखरेख के लिए उपयोग किया जाएगा। इस प्रक्रिया से जल की बचत होगी और पर्यावरण की भी रक्षा होगी। निगम का यह कदम जल पुनर्चक्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जल का पुनः उपयोग करके पौधों की देखभाल की जाएगी। इस परियोजना पर नगर निगम का अनुमान था कि 10.22 करोड़ रुपए की लागत आएगी, लेकिन अब यह लागत घटकर 10.06 करोड़ रुपए हो गई है।

कार्य की योजना और विवरण

निगम की जनकार्य समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर के अनुसार, इस परियोजना के तहत इंदौर शहर में रेवती रेंज पहाड़ी पर पौधों के लिए 245 एमएलडी एसटीपी कबीटखेड़ी से पानी लाने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इसमें पंपिंग मेन, पंपिंग मशीनरी, ईएसआर का सर्वेक्षण, मृदा जांच, डिजाइन, आपूर्ति, लाइन बिछाने और कमीशनिंग जैसी गतिविधियां शामिल हैं। दो कंपनियों ने इस टेंडर में भाग लिया था, जिसमें संयुग इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने सबसे कम दर दी है। अब नगर निगम इस कंपनी को यह कार्य सौंपने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है।

स्व-सहायता समूह से बहनों के जीवन में नए सूर्य का हुआ उदय : डॉ. यादव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूह महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। इससे न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि महिलाएं आर्थिक रूप से समृद्ध भी हो रही है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने की पहल में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की प्रमुख भूमिका है। सशक्त नारी ही समृद्ध प्रदेश का आधार है' मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार जिले के कुक्षी में आयोजित स्व-सहायता समूह सम्मेलन सह-पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों को निकाय चुनाव में 50% आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही 2029 तक लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33% आरक्षण के प्रयास भी

किये जा रहे हैं। जमीन या मकान की रजिस्ट्री महिला के नाम पर करने पर पंजीयन शुल्क में छूट दी जा रही है। लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने हर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर अपना सामर्थ्य दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। आज जनजातीय वर्ग की महिला देश की राष्ट्रपति हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हजारों सालों से देवियों की पूजा होती रही है। नवरात्रि में 9 दिन देवी की आराधना की जाती है। दुनिया में भारत ही एकमात्र देश है, जो राष्ट्र को माता मानता है। राज्य सरकार हर माह लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए डालकर रक्षाबंधन मना रही है। सभी पात्र लाड़ली बहनों को 1250 रुपए की राशि मिलती रहेगी। अगर बहनों के हाथों में पैसे आएंगे तो परिवार में कुछ बचत होगी। सरकार बहन-बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह परिवार और समाज को सशक्त बनाने का एक प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। प्रदेश के हर घर को गोकुल बनाएंगे। राज्य सरकार द्वारा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से नई गौपालन योजना बनाई गई है। भविष्य में गौशालाओं के माध्यम से प्रदेश की बहनों के जीवन में भी बड़ा बदलाव आ सकता है। राज्य सरकार उन्हें नए व्यवसाय से जोड़ने के कार्य कर रही है। अब स्व-सहायता समूह की महिलाओं को गौशालाओं से जोड़ेगे और समूह की महिलाएं दूध से बने उत्पाद जैसे- मिठाई, रबड़ी, कलाकंद तैयार करेंगी। बहन-बेटियों की मिठाई की दुकान खुलेगी, उनकी आय बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिये प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने कपड़ा कारखानों में काम करने वाली बहनों को 5000 रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में अलग से देगी। कंपनी मालिक भी 8000 रुपए मेहनताना देंगे। इस प्रकार उनकी मासिक आय 14 हजार 250 रुपए सुनिश्चित हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए 24 घंटे काम कर रही है। राज्य सरकार ने 1 लाख शासकीय पदों पर भर्ती का अभियान शुरू किया है। आने वाले कुछ दिनों में प्रमोशन के लिए स्वीकृति देकर राज्य सरकार 4 लाख से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को सौगात देगी। सरकार अगले 5 साल में ढाई लाख नौकरी के अवसर प्रदान करेगी। गरीब हो या अमीर, सरकार का काम सभी की भलाई के लिए काम करना है। मध्यप्रदेश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। स्कूलों में बच्चों को निःशुल्क पढ़ाई के लिए किताब-कॉपियां दी जा रही हैं। मेधावी विद्यार्थियों के लिए साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप प्रदान करने की योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

रोग नहीं, रोगी को समझने वाली चिकित्सा – होम्योपैथी की ओर लौटें

जब दवाएँ थक जाएँ, तब होम्योपैथी उम्मीद बनती है जब दवाइयाँ बोझ बनकर तकलीफ को और गहरा करने लगती हैं, और इलाज स्वयं एक नई मुसीबत का रूप ले लेता है, तब इंसान की आत्मा एक ऐसे रास्ते की पुकार करती है जो राहत दे और मन को शांति की गोद में सुलाए। यहीं से शुरू होती है होम्योपैथी की अनमोल यात्रा – एक ऐसी राह जो न तेज दवाइयों के शोर में गुम होती है, न ही रोगी को महज एक ठंडे नंबर में समेटती है। यह विज्ञान हर मरीज को उसकी अनूठी कहानी मानता है, उसकी हर साँस को सुनकर उपचार का जादू बुनता है। हर साल 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप में हम इस करुणामयी और चमत्कारी चिकित्सा पद्धति का उत्सव मनाते हैं। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम 'अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसंधान' हमें इसके वैज्ञानिक आधार को गहराई से समझने, नई पीढ़ी तक पहुँचाने और इसके विकास के लिए प्रेरित करती है। यह दिन एक गहन विचार का प्रतीक है – कि सच्चा इलाज वही है जो शरीर के साथ-साथ आत्मा को भी संपूर्णता की ओर ले जाए।

प्रो. आरके जैन

लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

विश्व होम्योपैथी दिवस का आधार है डॉ. सैमुअल हैनिमैन की दूरदर्शिता, जिन्होंने 18वीं शताब्दी में चिकित्सा को करुणा का रूप दिया। जर्मनी में जन्मे इस चिकित्सक ने "Like Cures Like" (समान ही समान को ठीक करता है) का सिद्धांत प्रतिपादित किया, यह मानते हुए कि कोई पदार्थ जो स्वस्थ व्यक्ति में बीमारी जैसे लक्षण पैदा कर सकता है, उसे सूक्ष्म मात्रा में बीमार व्यक्ति को देने पर रोग ठीक हो सकता है। उनका विश्वास था कि उपचार तभी संभव है जब रोगी की आंतरिक जीवनशक्ति जाग्रत हो। उन्होंने होम्योपैथी को शरीर के प्राकृतिक संतुलन को बहाल करने वाली पद्धति बनाया, न कि केवल लक्षणों को दबाने वाला तरीका। इसीलिए 10 अप्रैल, उनके जन्मदिन को, विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप में मनाया जाता है – यह उनकी उस दृष्टि का सम्मान है जो चिकित्सा को मानवीय संवेदना से जोड़ती है। होम्योपैथी की ताकत यह है कि यह रोगी को एक अनूठे कैनवास की तरह देखती है – उसके लक्षणों की बारीक छाया, मानसिक और भावनात्मक गहराइयों, जीवनशैली के रंग और प्रकृति के संगीत को गुनकर उपचार रचती है। मिसाल के तौर पर, दो लोग माइग्रेन से जूझ रहे हों, मगर उनकी अलग लय और व्यक्तित्व के आधार पर उन्हें जुदा-जुदा दवाएँ मिलती हैं। यही व्यक्तिगत नजरिया इसे दूसरी पद्धतियों से अलग बनाता है। यह महज रोग को दबाने का विज्ञान नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को पुनर्जनन की कला है।

भारत में होम्योपैथी का महत्व और भी गहरा है। यहाँ यह न केवल लोकप्रिय है, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा होम्योपैथी सेवा प्रदाता देश भी है। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत इसे पूर्ण मान्यता मिली है, और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी (ठक्ल), कोलकाता व सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (उउफ्ल) जैसे संस्थान इसे वैज्ञानिक आधार देने में जुटे हैं। लाखों लोग हर साल इससे लाभ उठाते हैं, खासकर जहाँ पारंपरिक चिकित्सा सीमित पड़ जाती है। हर साल 10 अप्रैल को देश-विदेश में ज्ञान और जागरूकता का उत्सव सजता है – सेमिनारों की विचार गंगा बहती है, कार्यशालाओं में नए दृष्टिकोण उभरते हैं, जागरूकता अभियान उम्मीद की लौ जलाते हैं, और शोध प्रस्तुतियाँ इसकी गहराइयों को उजागर करती हैं। इनका मकसद इसे आधुनिक वैज्ञानिक चेतना के साथ जोड़कर नया आलोक देना है। यह दिन हमें बताता है कि चिकित्सा में विश्वास की गर्माहट, करुणा का स्पर्श और प्रकृति की समझ का समावेश होना चाहिए। यह एक स्वर्णिम अवसर है, जो होम्योपैथी की ताकत – उसकी सुरक्षा, किफायतीपन और प्रभावशीलता – से हमें रूबरू कराता है। हालाँकि कुछ वैज्ञानिक हलकों में इसकी सूक्ष्म खुराक पर सवाल उठते हैं, असंख्य मरीजों और चिकित्सकों के अनुभव इसकी शक्ति को प्रमाणित करते हैं। गंभीर बीमारियों में भी इसके सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं। विज्ञान का स्वरूप शोध का है, और होम्योपैथी भी इसी दिशा में बढ़ रही है। आधुनिक शोध और तकनीक के साथ इसका समन्वय इसे और सशक्त बना सकता है। विश्व होम्योपैथी दिवस एक जीवंत दर्शन है – यह पुकारता है कि इलाज का मतलब लक्षणों को कुचलना नहीं, बल्कि इंसान को उसकी संपूर्णता में गले लगाकर उसके मन, शरीर और आत्मा के तारों को सधाना है। यह हमें सिखाता है कि जब विज्ञान की गहराई, संवेदना का स्पर्श और प्रकृति की गोद एक साथ कदमताल करें, तभी उपचार का चमत्कार खिलता है। होम्योपैथी उस संगम का नाम है – जहाँ रोगी एक जीता-जागता इंसान होता है, उसकी हर साँस में उसकी कहानी बसती है। इस पावन अवसर पर हम इस चिकित्सा की ज्योति को हर दिल तक पहुँचाएँ, इसे अपनाकर जीवन में संतुलन की सिम्फनी और सुकून की सुगंध बिखेरें। यह दिन हमें विश्वास देता है कि हर बीमारी का उत्तर प्रकृति के खजाने में छिपा है, बशर्ते हम इसके जादुई ताने-बाने और अपनी भीतरी शक्ति को स्वीकार करें। होम्योपैथी जीवन को प्रेम, करुणा और संपूर्णता के साथ एक दिव्य नृत्य में रंग देने की कला है।

विश्व कल्याणार्थ संपूर्ण विश्व में महामंत्र नवकार के सामुहिक जाप का आयोजन संपन्न हुआ

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। दिनांक 10 अप्रैल 2025 को शांति के अग्रदूत, अहिंसा के अवतार, प्रभु महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक दिवस है एवं 9 अप्रैल को विश्व नवकार महामंत्र दिवस है इस उपलक्ष में सामाजिक श्रेत्र में कार्यरत जैन समाज के अग्रणी संगठन जीतो इंटरनेशनल फाउंडेशन के आह्वान पर दिनांक 9 अप्रैल 2025 को प्रातः 7:00 बजे से 9:30 बजे तक विश्व कल्याणार्थ संपूर्ण विश्व में महामंत्र नवकार के सामुहिक जाप का आयोजन संपन्न हुआ। इस तारतम्य में देश की राजधानी नई दिल्ली में इस कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने किया।

इसी पावन संदर्भ में सकल जैन संघ, सेंधवा द्वारा भी महामंत्र जाप का आयोजन प्रातः 8:30 बजे से 9:30 के बीच जैन मंदिर पर रखा गया। इस आयोजन में लगातार 1 घंटे तक नवकार महामंत्र का जाप सकल जैन संघ सहित सेंधवा के विभिन्न समाजजनों एवं विभिन्न संस्था के पदाधिकारियों ने विश्व शांति के लिए किए जा रहे आध्यात्मिक ऊर्जा से सरोबार इस विराट महायज्ञ में सम्मिलित होकर अपनी आहूती प्रदान की। इस अवसर पर सकल जैन संघ के प्रमुख बी. एल.जैन ने कहा कि आज पुरे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है ओर मारकाट की स्थिति मची हुई है वर्तमान हालातों में अहिंसा का मार्ग ही एकमात्र ऐसा मार्ग है जिससे आपसी सद्भावना एवं प्रेम का वातावरण निर्मित हो सकता है आपने कहा कि भगवान महावीर का यही संदेश है कि जिओ और जीने दो ओर इस पथ पर चलकर ही हम शांती को प्राप्त कर सकते हैं इसी भावना को ध्यान में रख कर विश्व कल्याण की भावना से सामुहिक रूप से महामंत्र का जाप रखा गया था। नवकार महामंत्र में किसी एक परमात्मा की स्तुति ना होकर अरिहंत भगवान ओर जो आत्माएं सिद्ध हो चुकी है साथ ही लोक के सभी साधु संतो को वंदन कर-के उनका गुणस्मरण किया जाता है। इस अवसर पर प्रेमचंद सुराणा ने कहा कि आज विश्व के 108 देशों में एक समय में एक साथ जो यह नवकार महामंत्र का सामुहिक जाप हुआ उसकी उर्जा आज ब्रह्मांड में प्रस्फुटित हुई है, हमारा सौभाग्य उसमें जैन समाज सहित सेंधवा की धर्मप्रेमी जनता भी सहभागी बनी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन लीना नागड़ा ने किया। उक्त सामुहिक जाप के आयोजन मे वर्धमान स्थानकवासी समाज अध्यक्ष अशोक सकलेचा, मुर्तिपुजक संघ के अध्यक्ष गिरिश लालका, दिगंबर समाज अध्यक्ष अशोक पाटनी, जवेरचंद जैन, दीपक लालका, छोटेलाल जोगड, नंदलाल बुरड, राजेन्द्र कांकरिया, महावीर सुराणा, विजय जैन, परेश सेठिया, डा एम.के. जैन, डा. किंशुक लालका, गिरिश नागड़ा, निलेश जैन, सौरभ जैन, नपा अध्यक्ष बंसती बाई यादव, गिरवर दयाल शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, गिरधारी गोयल, दिलीप कानुनगो, गायत्री परिवार सयोजक बंटी पाटील,छोटू चौधरी राधेश्याम अग्रवाल (खलघाट वाले) विमला शर्मा, निशा शर्मा, रेखा गर्ग,निर्मला वर्मा दिलीप झंवर,? अनिल वाघ , डा. गिरिश कानुनगो, डा. आशुतोष शर्मा सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित हुए ओर सामुहिक जाप किया। कार्यक्रम के समापन में पुज्य कानमुनी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी चंपाजी म.सा. ने मांगलिक फरमा कर सभी उपस्थित जनों को आशीष प्रदान किया।

छह साल जूनियर प्रोफेसर को बना दिया प्राचार्य

जबलपुर। छह साल जूनियर प्रोफेसर को प्रभारी प्राचार्य बनाए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, प्रभारी प्राचार्य का दायित्व वरिष्ठ प्रोफेसर को दिया जाना आवश्यक है। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने जूनियर को प्रभारी प्राचार्य पद का दायित्व दिए जाने पर रोक लगाते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जबलपुर निवासी याचिकाकर्ता डॉ. गिरीश वर्मा की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि मोहनलाल हरगोविंद दास होम साइंस स्वायत्तशासी कॉलेज में वह साल 2012 से प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हैं। वह कॉलेज के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। उनसे छह साल जूनियर समीर कुमार शुक्ला साल 2018 में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हुए थे।

मध्यप्रदेश में रिश्वत लेते पकड़ाया सहायक खाद्य अधिकारी, लोकायुक्त की कार्रवाई...

टीकमगढ़ ■

मध्यप्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले का है जहां रिश्वतखोर सहायक खाद्य अधिकारी को लोकायुक्त की टीम ने रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा है।

टीकगमढ़ जिले के बल्देवगढ़ में पदस्थ सहायक खाद्य अधिकारी पंकज करौलिया को बुधवार को लोकायुक्त सागर की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगेहथों पकड़ा है। रिश्वतखोर पंकज करौलिया ने राशन दुकान संचालक विजय सिंह ठाकुर निवासी गांव पिपरा से उनकी दोनों दुकानों की पीओएस मशीन में जीरोईंग करने के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। फरियादी विजय सिंह ने सागर लोकायुक्त ऑफिस में इसकी शिकायत की थी। लोकायुक्त की टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर बुधवार 9 अप्रैल को फरियादी विजय ठाकुर को रिश्वत के 10 हजार रुपए देने के लिए भेजा। रिश्वत की रकम लेकर सहायक खाद्य अधिकारी पंकज करौलिया ने फरियादी विजय को अपने घर पर बुलाया था जैसे ही घर पर करौलिया ने रिश्वत ली तो धड़धड़ाते हुए लोकायुक्त टीम के सदस्य घर में घुसे और उसे रंगेहाथों पकड़ लिया। इस मामले में लोकायुक्त पुलिस कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के दलाल एवं ड्राईवर से भी पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि इनके माध्यम से ही सेटिंग की जाती थी।

पूर्व बिशप पीसी सिंह के खिलाफ 2.45 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

भोपाल ■

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर ने पूर्व बिशप पीसी सिंह और नागपुर डायोसिस ट्रस्ट एसोसिएशन (एनडीटीए) के चेयरमेन भीमराव पॉल दुपारे के खिलाफ 2.45 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। दोनों पर रेलवे द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की राशि को फर्जी तरीके से हड़पने का आरोप है।

ईओडब्ल्यू द्वारा की गई जांच में सामने आया कि एनडीटीए के नाम दर्ज कटनी स्थित बार्स्लेय स्कूल की 0.022 हेक्टेयर भूमि को भारतीय रेलवे द्वारा अधिग्रहित किया गया था, जिसके एवज में 2,45,30,830 रुपये का मुआवजा दिया गया। यह राशि एनडीटीए को न देकर फर्जी दस्तावेजों के सहारे बोर्ड ऑफ एजुकेशन सीएनआई जबलपुर डायोसिस के खाते में ट्रांसफर कर दी गई। एनडीटीए एक पंजीकृत ट्रस्ट संस्था है, जो बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट के अंतर्गत चेरिटी कमिश्नर, नागपुर के अधीन है। कानून के अनुसार ट्रस्ट की संपत्तियों के विक्रय या मुआवजा प्राप्त करने से पहले चेरिटी कमिश्नर की अनुमति आवश्यक होती है, जो इस मामले में नहीं ली गई।

कमलनाथ ने फिर उठाया ईवीएम पर सवालः शर्मा बोले-

राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं को ईवीएम फोबिया हो गया है

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने अपने अल्प प्रवास के दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक की। यह बैठक पार्टी के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने और कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने छह अप्रैल को स्थापना दिवस के अवसर से ही प्रदेश भर में संगठन सशक्तिकरण के लिए कई चरणबद्ध कार्यक्रमों की शुरूआत की है। इसमें सबसे पहले सक्रिय सदस्य सम्मेलन और प्राथमिक सदस्य सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके बाद सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इन अभियानों के माध्यम से पार्टी का लक्ष्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा की विचारधारा और नीतियों से जोड़ा जाए। इसके बाद 'गांव चलो अभियान' शुरू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनता को मोदी सरकार और शिवराज सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत चौपालों का भी आयोजन होगा, जहां ग्रामीण जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा।

ईवीएम पर कांग्रेस के आरोपों को किया खारिज

वीडी शर्मा ने कांग्रेस नेता कमलनाथ और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें ईवीएम फोबिया हो गया है। उन्होंने कहा, ईवीएम नहीं जीताती, जनता जिताती है। भाजपा नेता का यह बयान उस वक्त आया, जब हाल ही में कमलनाथ ने आरोप लगाया था कि ईवीएम मशीनें हैक हो सकती हैं। वीडी शर्मा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह जनता की जागरुकता और उनके मतदान से तय होता है कि कौन सत्ता में आता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को जनता वोट नहीं दे रही है, इसलिए हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना उनकी आदत बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जनता के बीच जाकर जनसेवा और विकास के कार्यों के आधार पर समर्थन प्राप्त करती है, जबकि कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने में लगी है।

मध्य प्रदेश में देश का पहला हिंदू गांव बागेश्वर धामः पं. शास्त्री

हिंदू राष्ट्र की मांग। कही सिर्फ राजनीतिक शिगुफा तो नहीं?

राजनीतिक क्षेत्र में शिवराज सिंह चौहान से लेकर मोहन यादव तक मध्य प्रदेश को सबसे पहले सबसे आगे कई क्षेत्रों में ग्रीनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराने की कड़ी को तथाकथित धार्मिक क्षेत्र में बाबा बागेश्वर राम ने हिंदू गांव बनाने की घोषणा कर आगे बढ़ाया है। हिन्दू राष्ट्र की लगातार मांग करने वाले बाबा, बागेश्वर धाम, मध्य प्रदेश के पीठाधीश, पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने हिन्दू एकता यात्रा के बाद बागेश्वर धाम (गढ़ा) में हिन्दू गांव की नींव रखते समय जो कथन किया है, उस पर गौर करने की आवश्यकता है। कंठी टीका मधुरी बानी धारक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिन्दू राष्ट्र का सपना हिन्दू घर से ही शुरू होता है। हिन्दू परिवार, हिन्दू समाज और हिन्दू ग्राम बनाने के बाद हिन्दू तहसील, हिन्दू जिला और हिन्दू राज्य बनेगा, तब कहीं जाकर हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना पूरी होगी। यह मकान लोग अपने जीवनकाल के लिए ले सकेंगे, उनका क्रय-विक्रय नहीं होगा। उनके इस बयान को दो दृष्टिकोण से देखना होगा। तभी आप वास्तविक स्थिति से रूबरू हो पायेगें।

राजीव खंडेलवाल

लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

सामान्य अर्थ तो सीधा सादा है। परंतु क्या वह अर्थशास्त्री का है?

एक दृष्टिकोण बिल्कुल सरल (सिंपल) है। एक जगह, ग्राम में लगभग 1000 तिमंजिला मकान बनाना, उस कालोनी का नाम हिन्दू ग्राम देना व उसे सिर्फ हिन्दूओं, (सनातन धर्म) मानने वालों को ही बसाना पूर्णतः एक वैधानिक कार्य होकर एक नागरिक का संवैधानिक अधिकार भी है। बाबा ने हिन्दू-सनातनी धर्म शब्द का उपयोग किया है। वैसे हिंदू धर्म और सनातनी धर्म जितना एक सा दिखता है, उतना है नहीं। इसमें कुछ बारीक अंतर है, जिस पर फिर कभी चर्चा करेंगे। जमीन बागेश्वर धाम समिति ने उपलब्ध कराई है। इस परियोजना पर आपत्ति करने के बजाए उनकी पीठ थपथपानी चाहिए। हालांकि बाबा आत्ममुग्धता की स्थिति में खुद्‌ ही नाचे, खुद ही निछावर करे और खुद ही बलैयां ले की भूमिका में हैं। उक्त ग्राम में निर्माण की धनराशि मकान लेने वालों से ली जाएगी जो 15 लाख से 17 लाख तक होगी। प्रोजेक्ट दो साल में पूरा होगा। महत्वपूर्ण बात हिन्दू गांव मकान में रहने वालो की जीवन शैली वैदिक संस्कृति पर आधारित होगी।

पंडित शास्त्री को हिंदू राष्ट्र को परिभाषित करना होगा?

पंडित धीरेंद्र शास्त्री हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को धरातल पर उतारने के तारतम्य में राष्ट्र के गठन के लिए जोड़ने वाली प्राथमिक ग्राम इकाई से लेकर राज्य स्तर की ईकाई के अनुसार ही हिंदू राज्य, हिंदू जिला, हिंदू तहसील, हिंदू ग्राम, हिंदू समाज, और हिंदू परिवार को कट्टर हिन्दू बनाना चाहते हैं। तकनीकी रूप से उक्त योजना के लिए उक्त क्रमबद्ध कदम तो सही है। परन्तु कंह कुंभज कहँ सिंधु अपारा! बाबा बागेश्वर धाम को पहले यह बतलाना होगा कि उनके हिन्दू राष्ट्र में कट्टर हिन्दू बनाने से लेकर हिन्दू ग्राम बनाने के बाद अगले क्रम में मेरे जैसे एक हिन्दू को और क्या करना होगा, और कौन-कौन सी आहुतियां उनके विचारों के हिन्दू राष्ट्र बनाने के महायज्ञ में देनी होगी? क्योंकि मैं जन जन भीतर राम जी, ज्यों चकमक में आग की उक्ति का अनुसरण करने वाले एक हिन्दू के नाते स्वयं को उस हिन्दू राष्ट्र का रहवासी व नागरिक मानता हूं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वधर्म, समभाव की भावना संवैधानिक रूप से और वास्तविक धरातल पर सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र के साथ मौजूद है।

संयुक्त हिन्दू परिवार की आवश्यकता

हिंदू राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक कट्टर हिंदू परिवार के निर्माण की बात करने वाले बाबा बागेश्वर यह बताने का कष्ट करेंगे कि इस कट्टरता में क्या हिंदू समाज की रीड की हड्डी संयुक्त हिंदू परिवार जो हमारी संस्कृति की जीवन शैली की पहचान व व्यवस्था थी, जो आज बिखर सी गई है, शामिल है, अथवा नहीं? इसे बिखरने से रोकने के लिए और उसे पुनः जोड़ने के लिए कौन सा अभियान बाबा ने कभी चलाया हैं? ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार धर्मांतरण द्वारा परिवर्तित हिंदुओं की धर्म वापसी का कार्यक्रम करते हैं। इसके लिए क्या उन्होंने अपनी कथा वाचन में कभी एक शब्द भी कहा है?

अनावश्यक बयान

पंडित धीरेंद्र शास्त्री का उक्त बयान न केवल अनावश्यक बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द को भंग करने वाला उत्प्रेरक कथन है। यह संविधान में दी गई बोलने की स्वतंत्रता के मूल अधिकार तथा अनुच्छेद 19 (5) पर भी अतिक्रमण करता है। क्योंकि कोई भी मूल अधिकार पूर्ण (एब्सोल्यूट) नहीं है। उक्त बयान पर कांग्रेस व भाजपा की प्रतिक्रिया भी बेहद निराशाजनक है, जो सिर्फ राजनीति से प्रेरित होकर आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित है। राष्ट्रहित की बात तो निरंक है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण आपको मिल जाएंगे, जब किसी व्यक्ति को कम समय में अपनी क्षमता से ज्यादा सफलता मिल जाती है, तो वह घमंडी होकर सिर चढ़के बोलने लगता है। उल-जलूल बयान देकर वह यह मानकर चलता है, कि उसकी हर बात को उसको चाहने वाले आंख मूंद कर स्वीकार कर लेंगे। लेकिन ऐसा होता नहीं है। बाबा की पहल का समर्थन करते हुए भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने रामराज्य की अवधारणा को एक तरफ करते हुए जिस हिन्दू गांव की कल्पना की है, जिसमें छेड़खानी, कब्जा न हो, गोमान्स का सम्मान हो आदि आदि, ऐसा तो एक भी गांव मेरे हिन्दूस्तान में 77 साल की स्वाधीनता के बाद भी अस्तित्व में नहीं है। इसमें लगभग 28 वर्ष के भाजपा शासन काल भी शामिल है।

क्या बाबा का हिंदू राष्ट्र भागवत जी की हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से अलग है?

बाबा अपने हिन्दू राष्ट्र, की अवधारणा को पढ़े-लिखे धर्मभीरू हिन्दू व अनपढ़ धर्म प्रेमी हिन्दू पर थोपने के पूर्व माननीय मोहन भागवत जी के गाजियाबाद में एक किताब के विमोचन के अवसर पर दिये गये कथन को सुन ले, पढ़ ले। यह सिद्ध हो चुका है कि हम पिछले चालीस हजार साल से एक पूर्वजों के हैं। सभी भारतीयों का डीएनए एक है, भले ही वे किसी भी धर्म के क्यों न हो। इसमें हिंदू मुस्लिम के एकजुट होने जैसी कोई बात नहीं है। सभी लोग पहले से ही साथ हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल ने फरवरी 1949 में यह कहा था हिंदू राज पागलपन भरा विचार है। यद्यपि सरदार पटेल ने हिंदू राष्ट्र की बजाय हिंदू राज शब्द का उपयोग किया था। परन्तु वर्ष 1950 में अपने एक उद्बोधन में यह कहकर कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य है, भारत न तो हिंदू देश बन सकता है और न ही हिंदू धर्म भारत सरकार का धर्म बन सकता है, स्थिति स्पष्ट कर दी थी।

क्या योगी का 80-20 का कथन संख्यात्मक रूप से सही है?

यह लेख लिखते समय न्यूज 24 का कार्यक्रम माहौल क्या है कार्यक्रम देख रहा था, जो बाबू जगजीवन राम की 117वीं जयंती के अवसर पर आरा (बिहार) में अनुसूचित जनजाति के जेडीयू के कुछ व्यक्तियों से वक्फ बिल को लेकर बात कर रहे थे। तब एंकर राजीव रंजन के पूछने पर कि मंदिर जाते हो? कुंभ गये? राम मंदिर गये? आगे जाओगे? लगभग सभी ने इससे इंकार किया। न तो गये थे, न जायेगें। जब अनुसुचित जनजाति के ये व्यक्ति जो हिन्दू है, हिन्दू धर्म के प्रतीक के प्रति आस्था व्यक्त नहीं कर रहे, तब फिर क्या धीरेन्द्र शास्त्री ऐसे हिन्दूओं को मुख्य धारा में जोड़ने का अभियान चलाएंगे? इस देश में जब भी हिन्दू मुस्लिम की बात होती है, तब हिन्दू धर्म के स्वयंभू रक्षक लोग 80-20 की बात करने लग जाते हैं। निश्चित रूप से लगभग 20 प्रतिशत से कुछ कम मुसलमान तो है ही। परन्तु क्या 80 प्रतिशत हिन्दू हैं, यह बड़ा प्रश्न यह है? इसका एक उपयुक्त उदाहरण मैंने आपको दिया। बुद्ध, सिख, जैन और बहुत सी जगह आदिवासी अपने को हिंदू नहीं मानते हैं। तब भी हम क्या 80 प्रतिशत है? यदि आप वास्तव में बाबा की नजर का हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तब भी आपको 20 प्रतिशत मुस्लिम एवं अन्य धर्मावलंबियों को छोड़कर, शेष समस्त व्यक्तियों को सनातनी हिंदू बनाना होगा? बडा प्रश्न यह है कि क्या बाबा इसके लिए तैयार हैं? अथवा क्या बाबा राजनीतिक रोटियां सेंकने के प्रयास में अस्थायी रूप से अपनी टीआरपी बढाना चाहते हैं? हिन्दू समाज के इस तरह के संत कथा वाचको ने ही हिन्दू समाज का बड़ा बेड़ागर्क किया है। हिन्दू समाज के बीच विभिन्न वर्गो के बीच समरसता पैदा करने का कोई प्रयास ये संत नहीं कर रहे हैं, जो उनका पहला दायित्व है। यदि हिन्दू समाज में समरसता होगी, तो निश्चित रूप से देश हिन्दू राष्ट्र ही होगा। क्योंकि उस समरसता के भाव में सिर्फ हिन्दू ही एक नहीं होगा, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के बीच समरसता का भाव होगा, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति अथवा सम्प्रदाय का क्यों न हो।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

यात्री बस और ऑटो के बीच जोरदार भिड़ंत, 3 की स्पॉट पर मौत 8 गंभीर

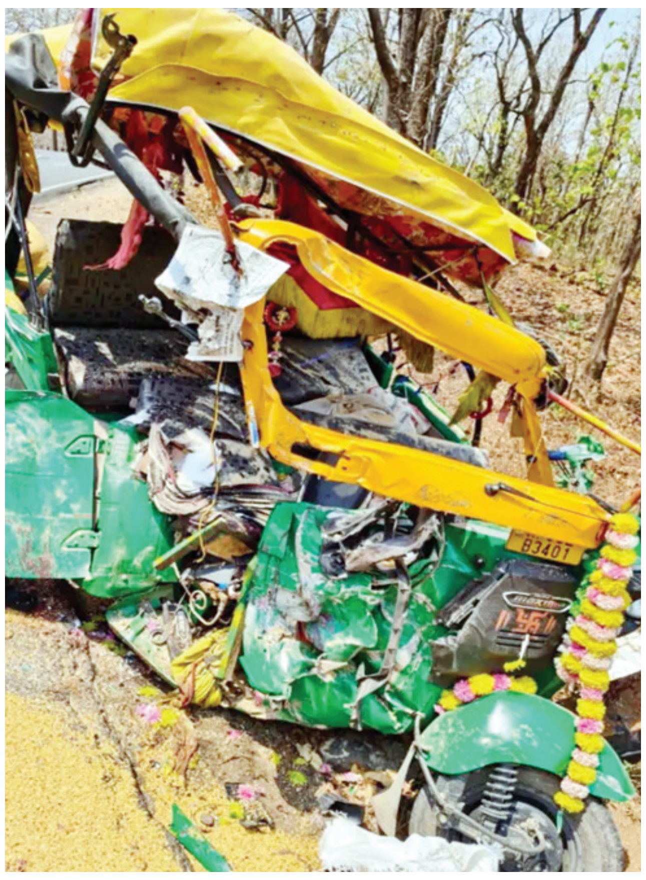

अनूपपुर ■

मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रैफिक विभाग की ओर से लगातार चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियानों के बावजूद आलम ये है कि, यहां हर रोज सैकड़ों की संख्या में लोग हादसों का शिकार होकर घायल हो रहे हैं। जबकि, इन्हीं में से दर्जनों अपनी जान भी गवा रहे हैं। ताजा भीषण सड़क हादसे से जुड़ी खबर सूबे के अनुपपुर जिले से सामने आई है। बुधवार को यहां एक बस और ऑटो के बीच हुई भीषण टक्कर से 3 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 8 से अधिक गंभीर घायल हैं।

ये भीषण सड़क हादसा अनूपपुर जिले के अंतर्गत से गुजरने वाले शहडोल से डिंडोरी की ओर जा रही यात्री बस और सामने से आए ऑटो के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में

ऑटो सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 से अधिक घायल हुए हैं। फिलहाल, घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ऑटो के परखच्चे उड़े

नफीस कंपनी की बस और ऑटो के बीच ये जोरदार भिड़ंत हुई है। टक्कर की भीषमता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि, ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह से नष्ट हो चुका है। हादसा अनूपपुर जिले के कोतवाली थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले किरर गांव के पास घटी है।

रतलाम मंडल से होकर चलेंगी चार जोड़ी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनें

रतलाम ■

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से ग्रीष्मकालीन अवकाश में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए विशेष किराए पर चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। सभी ट्रेनें रतलाम मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव के साथ गुजरेंगी।

रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि ट्रेन संख्या 09183 मुंबई सेंट्रल-वाराणसी एसी स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 22.50 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 10.30 बजे वाराणसी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 अप्रैल से 25 जून, 2025 तक चलेगी। इस ट्रेन का रतलाम आगमन/प्रस्थान प्रति गुरूवार को 08.40/08.50 बजे होगा। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09184 वाराणसी-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को वाराणसी से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 04.20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 11 अप्रैल से 27 जून 2025 तक चलेगी। इस ट्रेन का रतलाम आगमन/प्रस्थान प्रति शनिवार को 17.45/17.55 बजे होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोंगांव, फरुर्खाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली जं., अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई जं. और भदोही स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी) के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09195/09196 वडोदरा-मऊ सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09195 वडोदरा-मऊ सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 19.00 बजे वडोदरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.45 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन तत्काल प्रभाव से 30 जून, 2025 तक चलेगी। इस ट्रेन का दाहोद स्टेशन पर (20.58/21.00), रतलाम स्टेशन पर (22.35/22.45) बजे प्रत्येक सोमवार को आगमन/प्रस्थान होगा। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09196 मऊ-वडोदरा सुपरफास्ट स्पेशल मऊ से प्रत्येक मंगलवार को 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 00.45 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन तत्काल प्रभाव से 1 जुलाई, 2025 तक चलेगी। इस ट्रेन का रतलाम स्टेशन पर (19.55/20.05) एवं दाहोद स्टेशन पर (21.11/21.13) बजे प्रत्येक गुरूवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दाहोद, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा जं., टूंडला, कानपुर सेंट्रल, फतेहपुर, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, बनारस और औंड़िहार स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09195 का गोधरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09205/09206 पोरबंदर-आसनसोल साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09205 पोरबंदर आसनसोल साप्ताहिक स्पेशल 10 एवं 17 अप्रैल, 2025 सोमवार को 08.00 बजे पोरबंदर से प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06.45 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम स्टेशन पर (23.10/23.20, गुरूवार), नागदा स्टेशन पर (00.05/00.07, शुक्रवार) एवं उज्जैन स्टेशन पर (01.20/01.25) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09206 आसनसोल पोरबंदर स्पेशल 12 एवं 19 अप्रैल, 2025 शनिवार को आसनसोल से 17.45 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 13.45 बजे पोरबंदर पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 09043/09044 बांद्रा टर्मिनस - बढ़नी साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09043 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 00.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे बढ़नी पहुंचेगी। यह ट्रेन 13 अप्रैल से 29 जून, 2025 तक चलेगी। इस ट्रेन का रतलाम स्टेशन पर (10.30/10.40 बजे), नागदा स्टेशन पर (11.20/11.22) एवं उज्जैन स्टेशन पर (12.40/12.45 बजे) प्रत्येक रविवार को आगमन/प्रस्थान होगा। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09044 बढ़नी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार को बढ़नी से 13.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 14 अप्रैल से 30 जून, 2025 तक चलेगी। इस ट्रेन का उज्जैन स्टेशन पर (10.45/10.50), नागदा स्टेशन पर (12.18/12.20) एवं रतलाम स्टेशन पर (13.05/13.15) बजे प्रत्येक मंगलवार को आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी, वलसाड, सूरत, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी जं. और गोंडा जं. स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन भी हुई प्रतियोगिता, जैन धर्म पर आधारित मॉडल बनाए गए

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन प्रेरणा बहु मंडल ने जैन मॉडल प्रतियोगिता आयोजित की। इसमें निर्णायक राहुल बुरड़ और शोभना लालका थे। प्रतियोगिता में बच्चों में प्रथम सुहाना मोमाया और द्वितीय अयाना खोना, महिलाओं में प्रथम प्रीति खोना और द्वितीय दीपा गोसर रही। कार्यक्रम में ट्रेजर हंट गेम रखा गया। जिसमें टीम बी भाविका मोमाया, दर्शना शाह, सुहाना मोमाया, मेघा गांधी विजेता रही। कार्यक्रम में दीपा बेन लालका, रश्मि गोसर, केतना मोमाया, खुशबू खोना, श्वेता जैन, सेजल मोमाया, छाया मोमाया, काश्मीरा सेठिया, लक्ष्मी लालका, अवनी शाह, नम्रता शाह, योगिता जैन मौजूद रही।

80 करोड़ के गबन के बाद बंद होने की कगार पर एमपी का बड़ा बैंक, चार कर्मचारी बर्खास्त

शिवपुरी ■

मध्यप्रदेश में एक बड़ा बैंक बंद होने की कगार पर आ गया है। यहां उपभोक्ताओं को 1 हजार रुपए भी देने की दिक्कत है। बैंक को बंद होने से बचाने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही में 50 करोड़ दिए हैं।

बैंक की यह दुर्दशा कर्मचारियों ने ही की जिन्होंने करीब 80 करोड़ का गबन कर लिया। अब ऐसे चार कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। शिवपुरी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में गबन की विभागीय जांच के बाद कलेक्टर ने यह कार्रवाई की है। बैंक शाखा कोलारस,

करैरा में करोड़ों रुपए का गबन करने वाले 4 कर्मचारियों को हटा दिया गया है। एमपी के सहकारी बैंकों में शिवपुरी जिला सहकारी बैंक बड़ी शाखाओं में शुमार था लेकिन गबन के कारण बैंक कंगाल हो गया। स्थिति ये है कि बैंक अपने उपभोक्ताओं को पैसे नहीं लौटा पा रहा है। ऐसे दर्जनों उपभोक्ता रोज कलेक्टर और अन्य संबंधित अधिकारियों को शिकायत करते करते परेशान हो चुके हैं।

कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त करने की कार्रवाई

कलेक्टर रविन्द्र चौधरी ने अब गबन मामले में सख्ती दिखाई है। विभागीय जांच के बाद उन्होंने गबन के आरोपी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त करने की कार्रवाई की है। इनमें तीन कर्मचारी कोलारस के और एक कर्मचारी करैरा बैंक का है। कलेक्टर कार्यालय में बीते रोज बैंक प्रबंधन की बैठक हुई थी जिसमें मामले पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बैंक शाखा कोलारस में 80 करोड़ 56 लाख रुपए के गबन के मामले में बैंकिग सहायक ज्ञानेन्द दत्त शुक्ला व सहायक लेखापाल प्रभात भार्गव, शाखा करैरा में हुए 3.82 करोड़ के मामले में लिपिक रविन्द्र भार्गव व गुरुदेव कुशवाह तत्कालीन भृत्य को कलेक्टर चौधरी ने पद से पृथक करने की कार्रवाई की।

चारों कर्मचारियों को विभागीय जांच में दोषी पाया

बर्खास्त किए गए चारों कर्मचारियों को विभागीय जांच में दोषी पाया गया है। कलेक्टर द्वारा बर्खास्तगी के साथ ही चारों कर्मचारियों की संपत्ति से गबन की राशि वसूल करने की कार्रवाई भी की जा रही है।

ओम प्रकाश टाकीज में फिल्म मोटी सेठानी आज विशेष आग्रह पर बुलाई गई

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। सबसे पहले दादी मां की आरती दादी परिवार द्वारा की गई जयकारे के साथ सेंधवा की ओम प्रकाश टाकीज में फिल्म मोटी सेठानी आज विशेष आग्रह पर बुलाई गई जिसमें रानी सती दादी का चरित्र चित्रण जन्म से लेकर योवन,शिक्षा ,विवाह ,विदाई एवं उनका सती होना दशार्या गया है जिसे सेंधवा एवं सेंधवा शहर के आजू बाजू से आई महिलाओं नें नारायणी के चित्रण को देखकर सराहा और दादी के प्रति अपनी अपनी सृद्धा बतायी फिल्म रेखा उमेश गर्ग के विशेष आग्रह पर बुलाई गई थी जिसे सभी ने बहुत सराहा जिसमें सेंधवा शहर की लगभग सभी महिलाएं बहनें आयीं शहर की प्रमुख नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बसंती बाई जी यादव भी आईं और फिल्म को सराहा। सेंधवा में ओमप्रकाशटाकीज आऊसफुलरही।

टीआई ने ट्रांसलेटर की मदद से सुनी दिव्यांग की फरियाद

कटनी ■

मध्यप्रदेश में अक्सर पुलिस थानों में शिकायतें न सुने जाने या फिर शिकायत पर कार्रवाई न किए जाने के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन कटनी में पुलिस ने एक दिव्यांग की फरियाद ट्रांसलेटर के जरिए सुनी। दरअसल मूक बधिर दिव्यांग अपनी फरियाद लेकर कोतवाली थाने पहुंचा था जहां उसने इशारों में अपनी बात बताने की कोशिश की लेकिन कोई उसकी बात नहीं समझ पाया इसके बाद टीआई ने ट्रांसलेटर के जरिए न केवल दिव्यांग की फरियाद सुनी बल्कि उसे सुलझाने का आश्वास भी दिया।

टीआई ने ट्रांसलेटर की मदद ली..

पन्ना जिले के शाहनगर के गंजदा का रहने वाला दिव्यांग युवक जगदीश प्रसाद लोधी अपनी फरियाद लेकर कटनी एसपी कार्यालय जाने वाला था लेकिन वो किसी कारण कोतवाली थाने पहुंच गया। मूकबधिर दिव्यांग ने थाने पहुंचकर इशारों में पुलिकर्मियों को अपनी शिकायत सुनानी चाही लेकिन कोई उसे समझ नहीं पाया। हेड कॉन्स्टेबल अजीत मिश्रा ने कुछ हद तक उसकी बात समझी और टीआई आशीष शर्मा के पास लेकर पहुंचे। टीआइ आशीष शर्मा ने दिव्यांग को बुलवाकर ट्रांसलेटर से उसकी पीड़ा समझी। टीआइ के पीछे खड़े होकर पीड़ित दिव्यांग ने फोन पर वीडियो कॉल पर मौजूद ट्रांसलेटर को अपनी पीड़ा बताई और ट्रांसलेटर ने पुलिस को उसकी समस्या से अवगत कराया। इशारों में जगदीश प्रसाद लोधी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी दो साल के मासूम बच्चे के साथ अकारण ही मायके चली गई है।

आओ जीवन में अच्छे बुरे दोनों दिनों का शुकराना अदा करें

वैश्विक स्तरपर भारत अपने अनमोल संस्कृति, सभ्यता, सशक्त मानवीय बौद्धिक क्षमता,आध्यात्मिकता के लिए प्रतिष्ठित, प्रेरणा स्त्रोत और भविष्य का वैश्विक नेतृत्व करने वाले देश के रूप में तीव्रता से स्थापित होने की राह पर है, और हो भी क्यों ना? क्योंकि हर भारतीय

किशन भावनानी
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

नागरिक में एक जज्बा जुनून और जांबाजी समाई हुई है, वह दुखों परेशानियों से जंग कर उनमें से सफलता का मार्ग निकालने का जुनून है। जिसका जीता जागता उदाहरण हमने भयंकर कोविड-19 महामारी की त्रासदी में प्रत्यक्ष रूप से वैश्विक स्तरपर दिखाया हैं और वैक्सीनेशन अभियान आज 220 करोड़ के पार हो चुका है हमारे आध्यात्मिक स्तरपर भी लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है कि जीवन के हर बीते हुए दिन का शुकराना अदा कीजिए क्योंकि यदि अच्छे दिन हमें खुशी देते हैं तो बुरे दिनों से हमें जंग कर सबक सीखने को मिलता है और हम फतह हासिल करते हैं,क्योंकि दुनिया में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसके पास कोई दुख ना हो हर परिस्थितियों में ईश्वर अल्लाह का शुकराना अदा करते हुए जज्बा और जुनून कायम रखना है आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ जीवन के अच्छे बुरे दोनों दिनों का शुक्राना अदा करें।

साथियों बात अगर हम दुखों की करें तो,हम सभी के जीवन मे कभी ना कभी ऐसा पल जरूर आता है जब हम काफी दुख भरे समय से गुजर रहे होते हैं। कभी किसी से बिछड़ने का दुख, कभी कुछ हारने के दुख, कभी किसी की याद का दुख, कुछ ना कुछ दुख हम हमेशा झेल रहे होते हैं। कई बार तो हम परेशान भी हो जाते है और सोच में पड़ जाते हैं की आखिर सारे दुख हमे ही क्यों मिलते है? समय कोई भी बुरा नहीं होता है। पर मुश्किल अवश्य होता है। मुश्किल समय की एक अच्छाई होती है वो हमें मजबूत बनाता है। लड़ना सिखाता है। और पहले से अधिक साहसी बनाता है। और हमें एक नया और चुनौतीपर्ण उद्देश्य देता है क्योंकि उद्देश्य हीन जीवन किसी को पसन्द नहीं होता है। मुश्किल समय ही हमें दुनिया में स्थापित करता है। साथियों बात अगर हम बुरे दिनों से सबक लेने की करें तो बुरे वक्त की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यहआईने में अपनों का चेहरा बिल्कुल स्पष्ट दिखा देता है।इस दौर में अपना बनने का अभिनय करने वाले ईद का चांद हो जाते हैं। खैर बुरा वक्त इंसान को बेहतरीन सबक देता है। यह इंसान को अन्य किसी भी चीज की तुलना में अधिक सिखाता है। बुरे वक्त में न टूटने वाला इंसान बाद में बहुत मजबूत होकर उभरता है। वह अपने जीवन को अभिमान रहित जीता है और किसी अन्य के लिए परेशानी का सबब नहीं बनता। वह संतुलित हो जाता है। जीवन की कठिन सच्चाइयां उसके व्यक्तित्व को निखार देती है। बुरे वक्त की आंच में तपा हुआ इंसान कभी भी अपने धन का झूठा अहंकार नहीं सकता और यथासंभव दूसरे जरूरतमंदों की मदद करता है। साथियों शायद जीवन की यही तो हकीकत है, कि यहां जब दुःख और तकलीफें आती है, तब किसी भी इंसान को सँभलने का मौका तक नही देती है। लेकिन एक बार जब दुःख और तकलीफों का मारा इंसान संभल जाता है। तब उसके सामने जीवन के किसी भी दुःख की कोई औकात ही नही रह जाती है। लेकिन शायद जीवन में खुश रहना अथवा दुखी रहना हमारे ही हाथो में होता है, क्योंकि हम अपने जीवन की जिस परिस्थिति को जैसा मान लेते है, वो परिस्थिति हमारे लिए वैसी ही हो जाती है, यदि हम अपने जीवन की किसी दुःख तकलीफ में खुद को अकेला

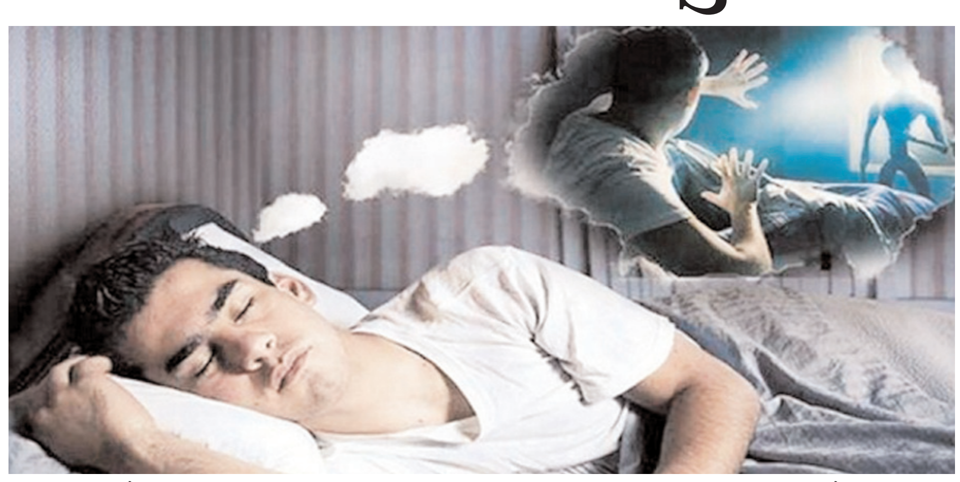

महसूस करते है। साथियों बात अगर हम दुखों के समय में जांबाजी जज्बे और सफलता के जुनून की करें तो, तब हमें हौसले के साथ उन मुश्किलों से यह कहना चाहिए, तू तो सिर्फ एक समस्या है जो हमारे जीवन में आई है। लेकिन जिसके जीवन में तू आई है, उस पूरे जीवन और पूरी जिंदगी पर केवल हमारा हक है। तुम्हे हमें दुखी और परेशान करने का कोई हक बिलकुल भी नही है, इसी तरह की स्थित जब होती है जब हम किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जीवन बिता रहे होते है और वो अचानक हमें छोड़कर चला जाता है। तब हमारे दुःख और सैड स्टेटस की कोई सीमा नही होती है। यह छोटी सी जिंदगी हमें इस दुःख और सैड लाइफ के के जरिये बहुत बड़ा सबक सिखाती है।

साथियों हमारे आध्यात्मिकता में भी आया है कि

समदुःखसुखः स्वस्थः समलोष्टाश्मकाञ्चनः।

तुल्यप्रियाप्रियो धीरस्तुल्यनिन्दात्मसंस्तुतिः।। जो धीर मनुष्य सुख-दुःखमें सम तथा अपने स्वरूपमें स्थित रहता है; जो मिट्टीके ढेले, पत्थर और सोनेमें सम रहता है जो प्रिय-अप्रियमें तथा अपनी निन्दा-स्तुतिमें सम रहता है; जो मान-अपमानमें तथा मित्र-शत्रुके पक्षमें सम रहता है जो सम्पूर्ण कर्मोंके आरम्भका त्यागी है, वह मनुष्य गुणातीत कहा जाता है।

साथियों बात अगर हम हमारे बड़े बुजुर्गों द्वारा इस विषय पर सुनाई गई कहानी की तरह तो, एक पक्षी था जो रेगिस्तान में रहता था, बहुत बिमार , कोई पंख नहीं , खाने पीने और रहने के लिए कोई आश्रय नहीं था। एक दिन एक कबूतर बीमार पक्षी के पास से गुजरा । तो बीमार पक्षी ने कबूतर से पूछा,तुम कहाँ जा रहे हो ? उसने उत्तर दिया मैं स्वर्ग जा रहा हूँ। ईश्वर की मुझ पर कृपा है। उन्होंने मुझे अपनी मर्जी से यहाँ आने जानें की छूट दे रखी है। तो बीमार पक्षी ने कहा कृपया मेरे लिए पता करें, कब मेरी पीड़ा समाप्त हो जाएगी? कबूतर ने कहा, निश्चित, मैं करूँगा। कबूतर स्वर्ग पहुंचा और प्रवेश द्वार के प्रभारी से बीमार पक्षी का प्रश्न पूछा।देवदूत ने कहा, पक्षी को जीवन के अगले सात वर्षों तक इसी तरह से ही कष्ट का भुगतना पड़ेगा, तब तक कोई खुशी नहीं।कबूतर ने कहा,जब बीमार पक्षी यह सुनता है तो वह निराश हो जाएगा। क्या आप इसके लिए कोई उपाय बता सकते हैं। देवदूत ने उत्तर दिया, उसे इस वाक्य को हमेशा बोलने के लिए कहो। हे ईश्वर आपने जो कुछ भी दिया उन सबके लिए आपका शुक्रिया।बीमार पक्षी को कबूतर ने स्वर्गदूत का संदेश दिया। सात दिनों के बाद कबूतर फिर से गुजर रहा था और उसने देखा कि पक्षी बहुत खुश था, उसके शरीर पर पंख उग आए, एक छोटा सा पौधा रेगिस्तानी इलाके में बड़ा हुआ, पानी का एक छोटा तालाब भी था, चिड़िया खुश होकर नाच रही थी। कबूतर चकित था।देवदूत ने कहा था कि अगले सात वर्षों तक पक्षी के लिए कोई खुशी नहीं होगी। इस सवाल को ध्यान में रखते हुए कबूतर स्वर्ग के द्वार पर देवदूत से मिलने गया और पूछा देवदूत ने उत्तर दिया, हाँ, यह सच है कि पक्षी के लिए सात साल तक कोई खुशी नहीं थी लेकिन क्योंकि पक्षी हर स्थिति में सब कुछ के लिए भगवान आपका शुक्रिया बोल रहा था, ईश्वर का आभार कर रहा था, इससे उसका जीवन बदल गया। एपीजे अब्दुल कलाम ने भी यह बात कही है हमेशा याद रखना बेहतरीन दिनों के लिए बुरे दिनों से लड़ना पड़ता है।

जब विघ्न सामने आते हैं,
सोते से हमें जगाते हैं,
मन को मरोड़ते हैं पल-पल,
तन को झँझोरते हैं पल-पल।
सत्पथ की ओर लगाकर ही,
जाते हैं हमें जगाकर ही।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ जीवन के अच्छे बुरे दोनों दिनों का शुक्राना अदा करें।जीवन के हर बीते हुए दिन का शुक्राना अदा कीजिए।जनों ने खुशी दी बुरे दोनों ने सबक दोनों परिस्थितियों में हमारी जीत है। नानक दुखिया सब संसार, दुनियां में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं जिसके पास कोई दुख ना हो हर परिस्थितियों में ईश्वर अल्लाह का शुक्राना अदा करें।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

विश्व कल्याण के पंथ प्रदर्शक महावीर स्वामी

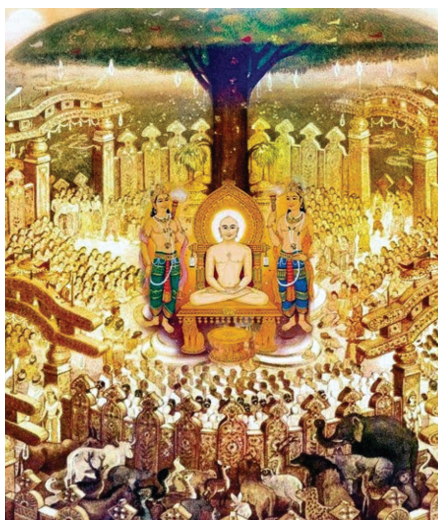

'भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा व सच्चाई की राह पर चलकर धर्म को दिशा दिखाई थी। और आज वर्तमान को उसी वर्धमान महावीर वीर अतिवीर सन्मति की आवश्यकता है। समाजिक दूरियों के बढ़ने के कारण झुठ फरेब लालच का बोलबाला हो रहा है।ऐसे समय में वीर प्रभु के उपदेशों व उनके बताए मार्ग पर हम सभी के लिए बहुउपयोगी है। जैन धर्म के 24 वें तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म चैत्र शुक्ल तेरस करीब ढाई हजार वर्ष पहले पिता सिध्दार्थ व माता त्रिशला के यह हुआ था। क्षत्रिय राजकुमार होते हुए भी आप ने हिंसा का साथ कभी भी नहीं दिया।

हरिहर सिंह चौहान
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

वर्धमान महावीर ने 12 वर्ष तक मौन तपस्या की थी। उन्हें बहुत कठिनाइयों से केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने पांच मूलभूत सिद्धांतों का पालन किया। वह अहिंसा,सत्य, अपरिग्रह,अचोय (अस्तेय) और ब्रह्माचर्य से नाता जोड़े रखा। तभी वह जगत के पालनहार बन कर आप ने समन्वय भाव रखते हुए, सभी मूक व निर्मल पशु पक्षियों व मनुष्य को एक माला में पिरोकर जोड़ने का प्रयास किया। आपके त्याग संयम प्रेम और करुणा शील सदाचार ने जियो और जीने दो का संदेश दिया था। प्रभु महावीर जहां तपस्या करते थे , उस जगह गाय बकरी बंदर चिड़िया हाथी व हिसंक जीव साथ शेर आदि एकसाथ आते थे और प्रभु महावीर स्वामी के सामने बेठकर उनके चरणों में समर्पण भाव से बेठे रहते थे। उनकी अहिंसा और आध्यात्मिक स्वतंत्रता से ही विश्व-कल्याण के भाव जगत में आये । इसका मतलब भी यही होता है कि सभी जीवों पर दया भाव रखो। उन्हें भी जीने का अधिकार है। महावीर स्वामी और उनकी तपस्या का प्रतिफल है अहिंसा धर्म। जिस युग में हिंसा व पशु बलि, जात-पात का भेदभाव बढ़ रहा था, ऐसे समय में जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी विश्व कल्याण के पंथ प्रदर्शक बन अहिंसा परमो धर्म का दिव्य संदेश दिया। उन्होंने कहा था जियो और जीने दो हम सभी में जनकल्याण के भाव होना चाहिए। हमेशा से प्रेम व क्षमा के साथ रहते हुए , प्रभु महावीर स्वामी कहते थे कि हम सच्चे ह्रदय से गलतियों के लिए क्षमा करें तो वह हमें जगत में सम्मान दिलायेगा । मैत्री भाव जगत कल्याण के लिए बहुत जरूरी है। विचारों की हिंसा से बचें सच्चाई की राह पर मानव प्रेम के भाव जागृत करें। वीर शासन में महावीर स्वामी के भाव और दिव्य संदेश क्षमा और सहनशीलता रहना वर्तमान में बहुत जरूरी है। हम सभी निडर होकर अहिंसा व विश्व कल्याण के पंथ पर आगे बढ़े तो ही हमें जिनवाणी का मोल समझ में आयेगा । जैन धर्म व महावीर स्वामी के बताए हुए मार्ग पर चलने से ही जीवन में उज्जवलता के साथ वैचारिक मतभेद भी दूर होंगे।

गाजी से लड़ना आसान, मंहगाई से लड़ना मुश्किल

राकेश अचल | लेखक

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के कार्यकर्ता प्रयागराज में मसूद गाजी से तो लड़ सकते हैं लेकिन महंगाई से लड़ना उनके बूते की बात नहीं है। देश में मोदीजी के राज में महंगाई बिना पदचाप के बढ़ रही है लेकिन एक देवतुल्य कार्यकार्ता ऐसा नहीं है जो अपना भगवा ध्वज लेकर इस मंहगाई पर चढ़ाई कर दे।

ग्लोबल हेराल्ड

प्रयागराज में भगवा लेकर मसूद गाजी की दरगाह पर चढ़ने वाले लगता है कागजी शेर हैं। केंद्र की सरकार देश में अलग-अलग मुद्दों पर एक साथ काम कर रही है। एक तरफ सरकार देश के मुसलमानों से लड़ रही है। तो दूसरी तरफ कांग्रेस से। तीसरी तरफ ममता बनर्जी से तो चौथी तरफ स्टालिन से ,लेकिन महंगाई से लड़ने की कूबत केंद्र सरकार में नहीं है। उलटे सरकार ने बीती रात अचानक बिना कोई वजह बताये रसोई गैस के सिलेंडर पर 50 रुपए और पेट्रोल-डीजल पर प्रति लीटर 2 रुपए का उत्पादन शुल्क बढ़ा दिया। सरकार का दावा है कि इससे पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम नहीं बढ़ेंगे। सवाल ये है कि यदि खुदरा दाम नहीं बढ़ेंगे तो ये बढ़ा हुआ उत्पादन शुल्क आखिर सरकार किस्से वसूल करेगी। मैंने देश में अनेक दलों की सरकारें और अनेक दलों को विपक्ष में बैठे देखा है ,लेकिन ये पहली ऐसी सरकार है जो सीना ठोंककर महंगाई को बढ़ा रही है और कह रही है कि इससे कुछ नहीं होगा।

ये उसी पार्टी की सरकार है जो अतीत में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ाये जाने पर न सिर्फ जार-जार रोती थी बल्कि सड़क से संसद तक खाली सिलेंडर लेकर,बैलगाड़ियों पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया करती थी। लेकिन पिछले एक दशक ने इस सरकार ने अपने कार्यकताओं कि साथ ही जनता की प्रतिकार की क्षमता को छीन लिया है। समूचे विपक्ष को कुंद बना दिया है। अब न सत्ता पक्ष के लिए मंहगाई मुद्दा है और न विपक्ष के लिए। जनता के लिए भी मंहगाई मुद्दा नहीं, एक मजबूरी बन चुकी है ,इसलिए उसे अब सड़कों पर उतरने में लज्जा आती है। ऐसी संकोची जनता का अभिनंदन किया जाना चाहिए। प्रयागराज के सिकंदरा में सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह है। मैंने ये दरगाह देखी है। सिकंदरा स्थित इस दरगाह में पाँच मजारें हैं, जहाँ पर दोनों धर्मों के लोग जाते हैं यहीं पर महाराजा सुहेलदेव सुरक्षा सम्मान मंच के कार्यकताओं ने रामनवमी के दिन भगवा झंडा फहरा दिया और पुलिस देखती रह गयी। उत्तर प्रदेश की पुलिस ऐसे तमाशों को देखने के लिए ही बनी है। जाहिर है की दरगाह पर भगवा ध्वजारोहण से तनाव पैदा हुआ लेकिन पुलिस का कहना है कि स्थिति शांतिपूर्ण है।प्रयागराज में गंगानगर के डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया, यहाँ कुछ युवकों ने धार्मिक झंडा लहराकर नारेबाजी की. इनको मौके पर मौजूद पुलिस ने रोका. इस घटना की जाँच की जा रही है। इस मामले में महाराजा सुहेलदेव सम्मान सुरक्षा मंच के अध्यक्ष मनेंद्र प्रताप सिंह को हिरासत में लिया गया है।

लेकिन हैरानी होती है कि गाजी मसूद की दरगाह होया औरंगजेब का मकबरा को लेकर परेशान देशवासी एक बार भी पेट्रोल और डीजल के साथ ही रसोई गैस की कीमतें बढ़ाये जाने से परेशान नहीं होते। उन्हें अपनी ही सरकार पर गुस्सा नहीं आता। आये भी कैसे ? सरकार ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के हाथों में भगवा थमाकर उन्हें दूसरे कामों में लगा दिया है। बेचारे हिन्दू ,बहुसंख्यक हिन्दू कार्यकर्ता भूल गए हैं कि सरकार उन्हें मूर्ख बना रही है। उनसे बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता उखाड़ने के लिए उन्हें भालू और वानर सेना में भर्ती करा दिया गया है। उन्हें स्टालिन को उखाड़ने की जिम्मेदारी दी गयी है। मंहगाई सरकार के लिए कोई मुद्दा है ही नहीं। हम हिन्दुओं से भले तो अमेरिका के ईसाई हैं जो अपनी सरकार के गलत फैसलों के खिलाफ सड़कों पर हैं। उनके हाथों में सलीब नहीं है। वे अपने नेताओं की तस्वीरों पर जूते-चप्पल चला रहे हैं उनके ऊपर ईसाइयत को बचाने की नहीं बल्कि देश को मंहगाई और मंदी से बचाने की जिम्मेदारी है। अमेरिका की जनता किसी पोंगापंथ का शिकार नहीं है ,हालाँकि अमेरिका में भी वो सब हुआ जो हमारे प्यारे हिंदुस्तान में हो रहा है।

अमेरिका की जनता को अमेरिका फर्स्ट का नारा दिया गया था ,लेकिन किया गया उलटा। टैरिफ बढ़कर अमेरिका की सरकार ने आधी से ज्यादा दुनिया को अपना दुश्मन बना लिया। अमेरिका के शेयर बाजार औंधे पड़े है। बेरोजगारी अचानक बढ़ गयी है। धड़ाधड़ छंटनी हो रही है। किन्तु इस सबका विरोध भी हो रहा है। सरकार पर दबाब बनाया जा रहा है। मंहगाई ने देश की उन करोड़ों लाड़ली बहनों को संकट में डाल दिया है जो बामुश्किल अपनी रसोई की आग जिंदा रखे हुए थीं।। अब आम महिलाओं के साथ ही उन महिलाओं को भी रसोई गैस की बढ़ी कीमत देना पड़ेगी जिन्हें उज्ज्वला योजना के तहत रियायती सिलेंडर मिलता था। बाजार में इस्तेमाल के लिए जाने वाला सिलेंडर तो लगातार मंहगा होता ही जा रहा है। उसका बोझ भी परोक्ष रूप से आपके ऊपर ही पड़ता है। आप जिस खोमचे से समोसा 10 रुपया देकर खाते थे अब उसकी दाम बढ़ते -बढ़ते 20 रुपया हो चुके हैं।हमारे शहर ग्वालियर में तो समोसा 25 रुपए का बिक रहा है। डीजल के दाम पढ़े तो पहले से मुसीबत के मारे किसान की कमर टूटने वाली है। किसान की कमर टूटेगी तो क्या आम आदमी अपनी कमर बचा पायेगा ? हमारी सरकार इलेक्ट्रानिक सुरक्षा प्रणाली के इस्तेमाल से देश की सीमाओं की सुरक्षा करने का दावा तो करती है लेकिन मंहगाई से जूझने का उसके पास कोई प्लान नहीं है। हमारी सरकार को फिक्र बिहार विधानसभा चुनाव जीतने की है। वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के बाद वक्फ की सम्पत्ति हड़पने की है। सरकार के मुकाबले विपक्ष और खासकर कांग्रेस को चिंता गुजरात जीतने की है। भारत जोड़ो यात्रा करने वाली कांग्रेस मंहगाई के मुद्दे पर सड़कों से नदारद दिखाई दे रही है। कांग्रेस के पास भाजपा और संघ के कार्यकताओं जैसा जोश है ही नहीं। इसलिए बैशाखियों की सरकार मनमानी पर आमादा है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पादन शुल्क बढ़कर कितना कमाएगी सरकार ये हमें नहीं बताया गया ,लेकिन शीतकालीन सत्र के पहले दिन लोकसभा में सरकार ने ऑल इण्डिया तृण मूल कांग्रेस की सांसद माला रॉय को बताया था कि सरकार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क के रूप में 27.90 रुपये लीटर और डीजल पर प्रति लीटर 21.80 रुपये की आय होती है। अब सरकार अपनी आय तो बढ़ा रही है लेकिन जनता की कमर तोड़ने पर आमादा है। सरकार का कहना है कि उसे जो आमदनी होगी वो तेल कमापनियों को मिलने वाले मार्जिन से होगी,आम आदमी पर इसका कोई असर नहीं पडेगा। लेकिन ये झूठ है। तेल कंपनियां अपने मार्जिन में से सरकार का खजाना क्यों भरने लगीं ? वे तो जनता की जेब पर ही डाका डालेंगी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

कंपनियों को राहत-गरीब पर बादशाहत..?

ट्रंप की टैरिफ टेरर से सभी देश बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। चीन ने तो पलट कर अमेरिका पर टैरिफ ही थोप दिए हैं, यूरोप भी अपनी तरह से काउंटर कर रहा है लेकिन भारत अभी असमंजस में है। ताजा हालात ये हैं कि इस आपदा को सरकार ने अपने लिये अवसर बना लिया है।क्रूड आइल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5 डालर प्रति बैरेल गिर गई हैं ।भारत ने अमरीका से नेगोशिएट करने की बजाय पेट्रोल और डीजल पर ?2 प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है । बता रही है कि उपभोक्ता पर इसका असर नहीं पड़ेगा, कंपनियां अपने हिस्से से कीमतों को स्थिर रखेंगीं ।यह कदम खजाने में वृद्धि तो कर देगा किंतु परिवहन मूल्य घटाकर मंहगाई को थामने का अवसर गंवा भी देगा।रक्षात्मक नीतियां बिना व्यूह रचना के ऐसे आक्रमणो से नहीं बचातीं बल्कि वे दीवार की तरफ धकेलतीं हैं।

इसी तरह घरेलू गैस पर भी प्रति सिलेंडर 50 दाम बढ़ा दिए गए हैं ,कीमतों में यह वृद्धि उज्जवला कनेक्शन की हितग्राही गरीब महिलाओं को भी बर्दाश्त करनी पड़ेगी। यह जानना प्रासंगिक होगा कि भारत में लगभग 32.94 करोड़ घरेलू गैस उपभोक्ता है जिनमें से 10.33 करोड़ उज्जवला के हितग्राही है यानी लगभग 31 प्रतिशत। भारत में औसतन प्रतिवर्ष 200.74 करोड़ सिलिंडर रीफिल होते हैं ।अतः इस मूल्य वृद्धि से सरकार की कंपनियां लगभग 10हजार 37 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित करना चाहतीं हैं ।इसी तरह पेट्रोलियम कंपनियों की कुल 37.1 मिलियन मेट्रिक टन पेट्रोल और 89.65 मिलियन मैट्रिक टन डीजल की खपत हो रही है जिसको लीटर में परिवर्तित करें तो 5 करोड़ लीटर प्रति दिन पेट्रोल और 10.6 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती है ।दोनों को मिलाकर लगभग 1570 करोड़ लीटर पेट्रोल और डीजल की सालाना खपत है जिससे सरकार को एक्साइज ड्यूटी के खाते में लगभग 3 हजार 140 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी। अपने एक इंटरव्यू में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया था कि ईंधन में एथेनाल को मिलाने से सरकार ने 1लाख 6हजार करोड़ रुपये की बचत की है ।ब्लेंडिंग की यह मात्रा कुल खपत का 15 फीसदी तक पहुंच गई है।इससे हमारा आयात बिल भी घटा है लेकिन उपभोक्ता इस लाभ से पहले भी वंचित रहा था और अभी भी है जबकि क्रूड की कीमतें 67 डालर प्रति बैरल तक गिर गईं हैं। भारत में गैस उत्पादन दो सरकारी कंपनियां ओएनजीसी एवं गेल करती है निजी क्षेत्र में रिलायंस यह काम कर रही है।इन कंपनियों के सालाना परिणाम बताते हैं कि ओएनजीसी को पहली और तीसरी तिमाही में क्रमशः 8 हजार 938 करोड़ तथा 9 हजार 784 करोड़ का मुनाफा बताया गया है। वहीं गेल ने तीसरी तिमाही में कंसालिडेटेड कुल मुनाफा 4 हजार 84 करोड़ घोषित किया है। मनमोहन सरकार में 2014 में इन कंपनियों ने जब 22 हजार 95 करोड़ का ही लाभ कमाया था तब भी उपभोक्ताओं को 450 रुपये में गैस सिलिंडर और 59 रुपये लीटर में पेट्रोल मिल रहा था जबकि आज 853 रुपये में सिलिंडर और 106 रुपये में पेट्रोल मिल रहा है। कंपनियों के ताजा परिणाम बताते हैं कि रिलायंस कंपनी की तो मार्केट कैप 2 लाख 42 हजार 203 करोड़ होकर ओएनजीसी की मार्केट कैप 2 लाख 38 हजार 270 करोड़ से भी आगे निकल गई है ।कारण नीतिगत समर्थन भी हो सकता है और दक्षता भी लेकिन इतना तय है बाजार से संबद्ध होने के बावजूद उपभोक्ता के हिस्से की राहत उपभोक्ता को नहीं दी जा रही है। वह या तो इन कंपनियों की जेब भर रही है या सरकार का खजाना। धारा के विपरीत केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप संसद में कहा था कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले ढाई-तीन वर्षों में ईंधन की कीमतें वास्तव में कम हुई हैं। क्या यह बयान विश्वसनीय है। मंहगाई से जूझते देश को यह जले पर नमक छिड़कने जैसा लगता है। क्रूड की कीमतों में एक डालर की कमी आने पर देश के आयात बिल में लगभग 13 हजार करोड़ की बचत होती है ।लेकिन पुरी ने 22 फरवरी 2025 को यह कहा था कि कीमतों में गिरावट से सरकार को कोई वित्तीय लाभ नहीं हुआ, बल्कि सरकार ने तेल कंपनियों को 22,000 करोड़ रुपये की राहत दी है। चालीस रुपये लीटर पेट्रोल देने का वादा करते- करते सरकार कंपनियों को राहत और गरीब उपभोक्ता पर बादशाहत थोपने को चरितार्थ कर रही है।

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

ईश्वर का आहार है साधना

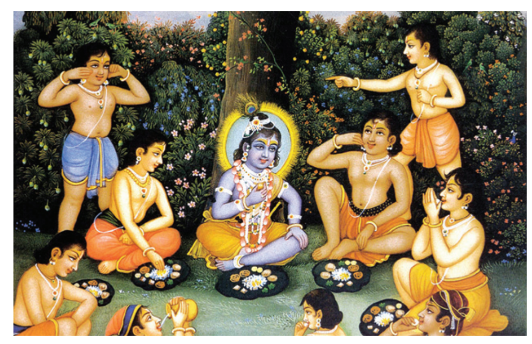

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना। परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किये हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं।

तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं? ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधताएं क्यों है? वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए? जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचारधारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप-वर्दी में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपने रूप को बदलते हो तो कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो?

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के व्यापारिक देशों पर टैरिफ लगाने की समयसीमा करीब आने के कारण बाजार में व्याप्त संशय को देखते हुए आई है। ट्रंप के रुख के कारण दुनिया भर में टैरिफ वार की आशंका के साथ ही मंदी आने का खतरा मंडरा रहा है। इससे दिग्गज आईटी स्टॉक्स नीचे आये हैं। दिन की शुरूआत में 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ ही 74,103.83 पर खुला। वहीं गत दिवस ये 74,227.08 पर बंद हुआ था। सुबह सेंसेक्स में 268.34 अंक करीब 0.36 फीसदी की गिरावट थी और ये 73,958.74 पर खुला।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट पर खुला। यह गिरावट के साथ 22,460.30 अंक पर खुला। वहीं गत दिवसये 22,535.85 पर बंद हुआ था। सुबह निफ़्टी 107.70 अंक करीब 0.48 फीसदी की गिरावट के साथ ही 22,428.15 पर था। इसी बीच आज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नीतिगत दर रीपो रेट को 0.25 फीसदी से कम करते हुए घटाकर 6.0 फीसदी करने की घोषणा की हालांकि इससे भी बाजार की गिरावट नहीं रुकी। आरबीआई ने अपनी पिछली बैठक में रेपो रेट को 25 आधार अंक कम करते हुए 6.25 फीसदी कर दिया था। दूसरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं। अमेरिका ने चीन पर 104 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच चल रहा व्यापार विवाद और बढ़ना तय है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली लगातार जारी है। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 4,994.24 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे पर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,097.24 करोड़ रुपये के मूल्य खरीदे।अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स में मंगलवार को गिरावट आई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े फ्यूचर्स 1.2 फीसदी गिरे। नैस्डैक-100 फ्यूचर्स 1.8 फीसदी और एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1.5 फीसदी की कमी आई। पिछले कारोबारी सत्र में वॉल स्ट्रीट बेंचमार्क्स गिरावट पर बंद हुए थे। एशियाई बाजारों में भी गिरावट रही। जापान का के अलावा दक्षिण कोरिया का बाजार भी नीचे आया।

सोने और चांदी में उछाल

नई दिल्ली ■

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। इन दोनो की ही वायदा कीमतों में तेजी रही। सोने के वायदा भाव 88,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 89,000 रुपये के करीब बने हुए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव बुधवार में सुबह मजबूती आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध बुधवार को 350 रुपये की बढ़त के साथ 87,998 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 87,648 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 669 रुपये की बढ़त के साथ 88,317 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 88,396 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 87,998 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस महीने 91,423 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। इसके अलावा चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़त पर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध बुधवार को 261 रुपये की बढ़त के साथ ही 89,005 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 88,744 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 322 रुपये की तेजी के साथ 89,066 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,066 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 88,877 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू हासिल किया। चांदी के वायदा भाव इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया।

वेज और नॉन-वेज थाली हुई सस्ती

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 में घर में पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट आई है। उत्तर और दक्षिण में अलग-अलग कारणों से थालियां सस्ती हो गई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च 2025 में घर में पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में पिछले महीने की तुलना में 2 फीसदी और 5 फीसदी की कमी आई है। प्याज, आलू और टमाटर की कीमतों में भी गिरावट आई है, जहां टमाटर की कीमत हाल में काफी कम हो गई है। मार्च 2024 में टमाटर की कीमत प्रति किलोग्राम 32 रुपये थी, जो एक साल बाद 21 रुपये हो गई है। इसमें 29 फीसदी की फसल की आवक का भी बड़ा योगदान रहा है। इसके खिलाफ, आलू, प्याज और वनस्पति तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे शाकाहारी थाली की कीमत में गिरावट को रोक दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 के मुकाबले पिछले साल की समयावधि में, थालियों की कीमत में काफी बड़ी कमी आई है।

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की नई ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली ■

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने ग्रैंड विटारा को नए अवतार में लॉन्च किया। इस नए मॉडल की शुरूआती कीमत 11.42 लाख रुपये है, और यह पेट्रोल इंजन और लिथियम-आयन बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक मोटर का मेल है जो ज्यादा माइलेज और बेहतरीन प्रदर्शन देता है। नये ग्रैंड विटारा में अनेक नए और प्रीमियम फीचर जोड़े गए हैं, जैसे कि वायरलेस कनेक्टिविटी, स्मार्टप्ले प्रो प्लस इंफोटेनमेंट सिस्टम, हेड-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा, और वायरलेस चार्जिंग डॉक। इसके साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से भी यह वाहन आधुनिक फीचर्स के साथ लैस है, जैसे कि ईएसपी, एबीएस, ईबीडी, और अन्य सुरक्षा तकनीकें। कंपनी के विपणन और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने घोषणा की है कि नई ग्रैंड विटारा का नया हाइब्रिड संस्करण भी लॉन्च किया गया है, जिसकी कीमत 16.99 लाख रुपये है। यह नया मॉडल शानदार डिजाइन और बेहतरीन कार्यक्षमता के साथ आता है, और लोकप्रियता में एक बड़ी गिरावट ला सकता है। इस नए ग्रैंड विटारा में कई नए और उन्नत फीचर्स हैं, जो सुरक्षा, सुविधा, और स्टाइल की दृष्टि से इसकी पॉजिशनिंग को और मजबूती देते हैं।

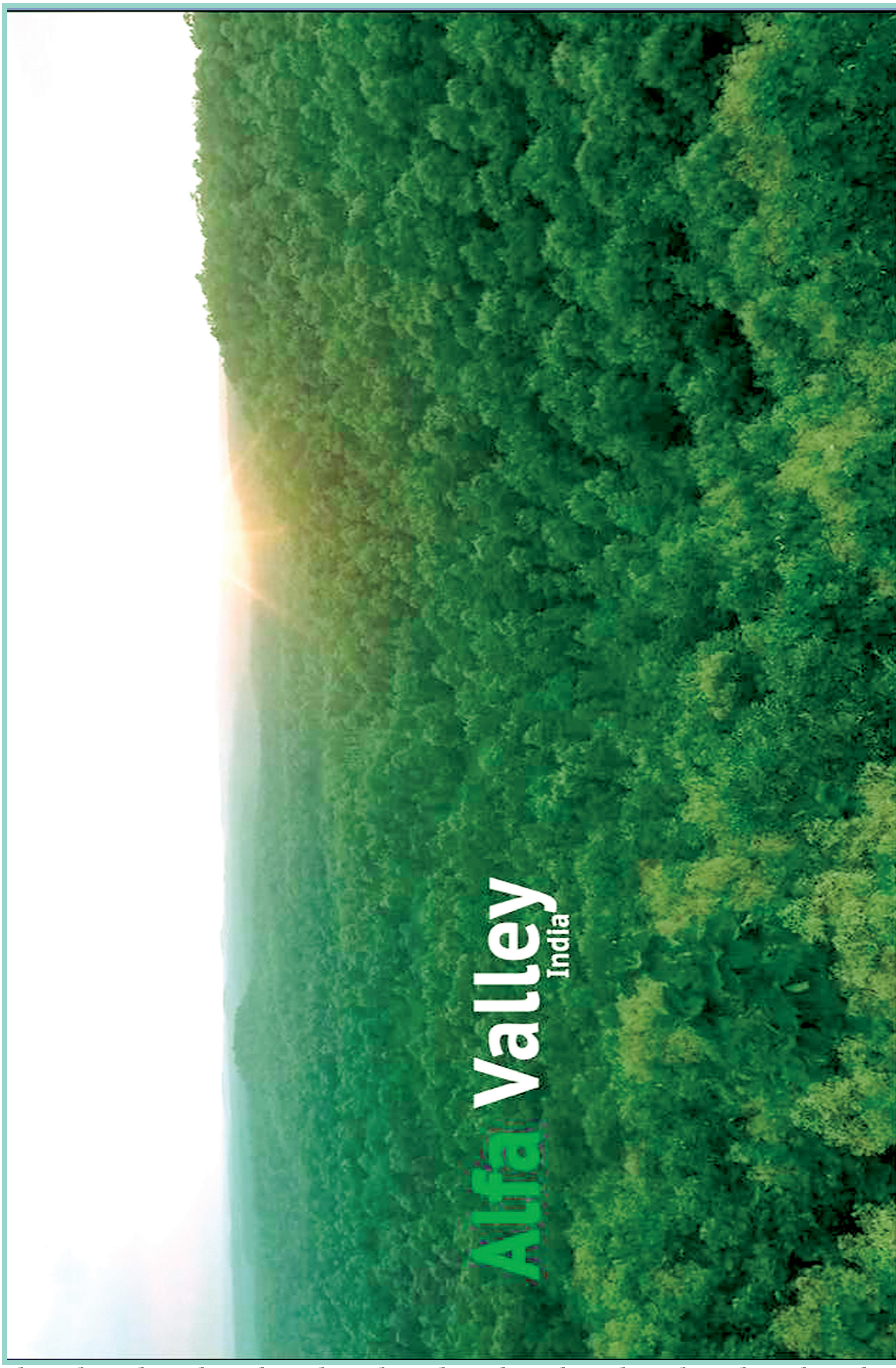
Alfa Valley
India

मनोरंजन

एक्ट्रेस अंजलि आनंद के साथ डांस टीचर ने की थी गंदी हरकत

हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस अंजलि आनंद ने अपने निजी जीवन के बारे में बात की। एक्ट्रेस अंजलि ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद उनके डांस टीचर ने उनके साथ गंदी हरकत की थी। जब अंजलि 8 साल की थीं तो उनके डांस टीचर ने उन्हें होठों पर किस किया था। अंजलि ने बताया कि कैसे उनके पहले बॉयफ्रेंड ने उन्हें इस मुसीबत से बचाया था। अंजलि आनंद ने बचपन की घटना को याद करते हुए बताया, मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। मैं आठ साल की हूं, मेरे पिता के निधन के बाद, उसने मुझसे कहा कि मैं तुम्हारे पिता जैसा हूं और मैंने उसका बात मानी क्योंकि मुझे कुछ पता नहीं था। फिर उसने धीरे-धीरे शुरुआत की- उसने मेरे होठों पर किस किया और कहा पिता यही करते हैं। अंजलि ने बताया कि वो सबकुछ करने की कोशिश करता था। उन्होंने कहा कि ऐसा कई सालों तक चलता रहा। वो अंजलि पर हुकुम चलाने लगा। अंजलि ने बताया,

वो मुझे मेरे बाल खुले नहीं रखने देता था, वो मुझे लड़कियों वाले कपड़े नहीं पहनने देता था, उसने मुझे उसकी पुरानी टी-शर्ट्स पहनाईं ताकि मैं दूसरों को अच्छी ना दिखूं। जब मेरी बहन की शादी हुई और मेरे पिता के सबसे अच्छे दोस्त का बेटा शादी में आया, तो उसे मुझ पर क्रश हो गया और उसने मुझसे बात करना शुरू कर दिया। अंजलि ने आगे बताया कि पहले तो उन्हें ये सब नॉर्मल लगा, लेकिन बाद में उन्हें लगा कि वो कहां फंस गईं हैं। अंजलि ने कहा, वह मेरी हर चीज पर नजर रखता था। उसे पता था कि मैं क्या मैसेज भेज रही हूं। उसने मुझे इस लड़के से बात करते हुए पकड़ लिया। वह मुझे लेने के लिए मेरे स्कूल के बाहर इंतजार करता था और हर कोई सोचता था, वह हमेशा वहां क्यों रहता है? लेकिन किसी ने यह देखने की कोशिश भी नहीं की कि क्यों। अंजलि ने बताया कि उनके साथ 8 से 14 साल की उम्र तक ये सब होता रहा।

रणवीर सिंह की अचानक मौजूदगी से मचा हंगामा, सड़कों पर उमड़ी फैंस की भीड़

बॉलीवुड के एनर्जी किंग रणवीर सिंह एक बार फिर अपने फैंस के दिलों पर छा गए। अपनी जबरदस्त एक्टिंग और अलग अंदाज से इंडस्ट्री में एक खास मुकाम बनाने वाले रणवीर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह आदित्य धर की धुरंधर है। इसी शूटिंग के दौरान रणवीर हाल ही में मुंबई के एक स्टोर पर कुछ देर के लिए पहुंचे, और उनकी मौजूदगी ने वहां ऐसा माहौल बना दिया, जैसा किसी सुपरस्टार की ग्रैंड एंट्री पर होता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जैसे ही रणवीर स्टोर पहुंचे, देखते ही देखते सैकड़ों फैंस की भीड़ वहां इकट्ठा हो गई। पहले किसी को अंदाजा नहीं था कि वहां बॉलीवुड का कोई बड़ा स्टार मौजूद है, लेकिन रणवीर की एक

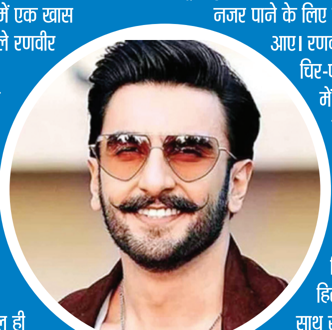

झलक मिलते ही सड़क मानो फैनपिट में बदल गई। चारों तरफ रणवीर के नाम की गूंज सुनाई देने लगी और लोग सिर्फ एक नजर पाने के लिए बेताब नजर आए। रणवीर ने भी अपने चिर-परिचित अंदाज में फैंस को निराश नहीं किया। उन्होंने गर्मजोशी से सबका अभिवादन किया, हाथ हिलाया, कुछ के साथ सेल्फी ली और कुछ से हाथ भी मिलाया। भीड़ बेकाबू होती जा रही थी, लेकिन रणवीर पूरे वक्त मुस्कुराते रहे और हर फैन को खास महसूस कराया। इस पूरे वाकये ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि रणवीर सिंह की फैन फॉलोइंग कितनी दमदार है और क्यों उन्हें न्यू-एज सुपरस्टार कहा जाता है। दिलचस्प बात यह भी रही कि रणवीर का इस फिल्म में लुक अभी तक पूरी तरह सीक्रेट रखा गया है।

अभिनेता सागर करांडे साइबर ठगी का शिकार

हाल ही में एक ऑनलाइन स्कैम में मराठी इंडस्ट्री के अभिनेता सागर करांडे साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, एक ऑनलाइन स्कैम में उनसे 61.83 लाख रुपये ठग लिए गए। यह ठगी सोशल मीडिया पर पैसे कमाने के लालच में फंसाने की नई तकनीक से की गई है। हाल ही में मराठी इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सागर करांडे के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। एक अनजान महिला ने अभिनेता के साथ इंस्टाग्राम पर की धोखाधड़ी की और उनके अकाउंट से लाखों रुपये उड़ा दिए। मराठी एक्टर सागर करांडे को उनके वॉट्सऐप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आया। इस मैसेज के बाद उन्होंने खुद को एक महिला बताया। उस महिला ने अभिनेता को वॉट्सऐप पर एक इंस्टाग्राम का लिंक भेजा और साथ ही कहा कि वह हर पोस्ट पर लाइक करने

का 150 करोड़ रुपये कमा सकते हैं। ये देख एक्टर ने महिला बताने वाले की बात मान ली और ऐसा किया। इस सारे वाक्ये के बाद एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक के बाद एक कई पोस्ट लाइक कर डाले। इसके बाद तो उनके होश ही उड़ गए। उनके अकाउंट से 1 झटके में में 11 हजार रुपये के 10 ट्रांजेक्शन हो गए। ये देख एक्टर खुद पर ही यकीन नहीं कर पा रहे थे कि फिर उस ठग ने सागर को पैसे इनवेस्ट करने के लिए कहा और उस पर ज्यादा रिटर्न देने की बात देकर उन्हें बहलाया। इसके बाद उन्होंने 27 लाख रुपये निकाले और कहा कि पूरा पैसा काम होने के बाद ही निकाल सकेंगे। बाद में ठगों ने अभिनेता को 19 लाख रुपये टैक्स सहित निवेश करने की बात कही। देखते ही देखते सागर ने 61.83 लाख रुपये चुका दिए और कोई पैसा उन्हें वापस नहीं मिला।

LiTTAL®

www.pramodmarutiparts.com

जीटीबी क्रिकेट एकेडमी की टीम सेमीफाइनल में पहुंची, कुश्ती में मेरठ का जलवा

मेरठ ■ एजेंसी

मेरठ गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल के मैदान पर खेली जा रही गुरु तेग बहादुर त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में सीनियर वर्ग का दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें गुरु तेग बहादुर क्रिकेट अकादमी की टीम ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुरु तेग बहादुर क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 31.5 ओवर में 221 रन बनाए।

उनकी ओर से दिव्य ने 41 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऋषभ क्रिकेट अकादमी ब्लू की टीम 28.5 ओवर में 200 रन पर ऑलआउट हो गई। उनकी ओर से अजहर ने 43 और युग ने 40 रनों का योगदान दिया। आयोजन सचिव क्रिकेट कोच अतहर अली ने बताया कि मुख्य अतिथि डॉ. कर्मेंद्र सिंह ने टीमों से परिचय प्राप्त किया। बुधवार को सीनियर वर्ग का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। किला रोड स्थित गेम सिटी एरेना में अहलावत क्रिकेट एकेडमी और वीपीसीए क्रिकेट एकेडमी के बीच मैच खेला गया। इसमें वीपीसीए क्रिकेट एकेडमी ने 8 विकेट से मैच जीता। पहले बल्लेबाजी करते हुए अहलावत क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 32.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाए। बल्लेबाज वेदांश ने 67 गेंद में 27 रन और रुद्रा ने 18 गेंद में 8 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीपीसीए की टीम ने 10.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

फाइनल में पहुंची एसजी कैंट की टीम

राधा गोविंद के मैदान पर खेली जा रही चौथी गौरैया टी 20 क्रिकेट चैंपियनशिप में सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें एसजी कैंट ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राधा गोविंद की टीम ने अच्छी शुरूआत दी। खिलाड़ियों ने निर्धारित बीस ओवर में 246 रन बनाए। उनकी ओर से रजत शर्मा ने 71 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसजी कैंट की टीम के खिलाड़ियों ने अच्छी शुरूआत दी। टीम ने 18.5 ओवर में ही 6 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। एसजी कैंट टीम की ओर से सत्यम सांगू ने 69 रन बनाए। समीर चौधरी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में मेरठ के खिलाड़ियों ने जीते पदक

बागपत में आयोजित उत्तर प्रदेश जूनियर पुरुष और महिला कुश्ती प्रतियोगिता में मेरठ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में पदक हासिल किए। कुश्ती कोच डॉ. जबर सिंह सोम ने बताया कि यह प्रतियोगिता 5 अप्रैल से 7 अप्रैल तक किरठल में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में 50 किग्रा. भार वर्ग में सारथी तोमर ने प्रथम, 57 किग्रा. भारवर्ग में पायल सैनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फ्री स्टाइल पुरुष वर्ग में 61 किग्रा. भार वर्ग में सागर वत्स ने प्रथम, 67 किग्रा. भार वर्ग में मुकुल चौधरी ने चौथा स्थान हासिल किया। ग्रीको रोमन में 82 किग्रा. भार वर्ग में हिमांशु शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चौधरी चरण सिंह विवि स्थित रुस्तम ए जमा दारा सिंह कुश्ती हाल में सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान संरक्षक अश्वनी गुप्ता, कल्याण सिंह आदि मौजूद रहे।

नीलकंठ एकेडमी ने जीता मैच

घाट रोड स्थित पंचवटी के मैदान पर चल रहे फर्स्ट एसडीके ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में अंबिका गाजियाबाद व नीलकंठ क्रिकेट एकेडमी के बीच मैच हुआ। अंबिका एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नीलकंठ एकेडमी को निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 215 रन का लक्ष्य दिया। मेहुल चहल ने 83, साहिल शर्मा 45 और निशांत ठाकुर ने 44 रन बनाए। नीलकंठ के गेंदबाज, प्रियांशु, अभिनव और शौर्या ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीलकंठ एकेडमी की टीम ने 19 ओवर में 6 विकेट खोकर 217 रन बनाकर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। प्रियांशु मोतला ने 51, यश पंवार ने 39 व अधिराज ने 31 रन का योगदान दिया।

कोहली बोले- आईपीएल में पहली बार डरा हुआ था

द्रविड़-कुंबले दिग्गजों के साथ खेलना सपने जैसा युवराज-जहीर को छोड़ किसी से नहीं मिला था

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विराट कोहली ने कहा- आईपीएल की वजह से उनका टी-20 गेम निखरा है। 36 साल के कोहली ने जियो हॉटस्टार से आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने पहली बार आईपीएल में खेला, तो मैं पूरी तरह से डरा हुआ था। मैं जहीर खान और युवराज सिंह के अलावा किसी क्रिकेटर से नहीं मिला था। मेरे जैसे न्यू कमर के लिए अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के साथ

ड्रेसिंग रूम शेयर करना किसी सपने से कम नहीं था। वर्तमान में विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी।

कोहली ने कहा- डेब्यू मैच में एक्साइटमेंट के साथ दबाव भी था। मुझे पता था कि मेरा खेल अभी उस लेवल का नहीं है। मुझे खुद को साबित करना था। दबाव की वजह से ही मेरा पहला सीजन अच्छा नहीं गया, वह अनुभव शानदार था।

शुरुआत में टॉप ऑर्डर में खेलने का मौका नहीं मिला

बेंगलुरु के साथ अपने शुरुआती सालों को याद करते हुए कोहली ने कहा, आरसीबी के साथ अपने पहले तीन सालों में मुझे टॉप ऑर्डर में बैटिंग करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। मुझे आमतौर पर निचले ऑर्डर में भेजा जाता था। इसलिए मैं आईपीएल में शुरुआत में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया। 2009 का सीजन मेरे लिए थोड़ा बेहतर रहा। उस साल पिचें मेरे खेल के अनुकूल थीं, गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी और मैं अपने शॉट्स ज्यादा आजादी से खेल सकता था। यह मेरे करियर का एक दिलचस्प दौर था। 2010 के बाद से मैंने अच्छा परफॉर्म करना शुरू कर दिया और 2011 तक मैं रेगुलर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने लगा।

पाकिस्तानी गेंदबाज हसन बोले- फैंस को एंटरटेनमेंट पसंद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान के गेंदबाज हसन अली ने दावा किया है कि अगर पाकिस्तानी क्रिकेट लीग में उनके खिलाड़ी अच्छा खेलते हैं, तो उन्हें देखने के लिए फैंस इंडियन प्रीमियर लीग छोड़ देंगे। 30 साल के मीडियम फास्ट बॉलर पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) शुरू होने से पहले जियो टीवी से बात कर रहे थे। उन्होंने पीएसएल के भारतीय लीग आईपीएल से क्लैश के सवाल पर कहा- %फैंस ऐसे टूर्नामेंट देखते हैं, जहां मनोरंजन के साथ अच्छा क्रिकेट होता है। अगर हम पीएसएल में अच्छा खेलते हैं, तो दर्शक हमें देखने के लिए आईपीएल छोड़ देंगे।

पाकिस्तान के इंटरनेशनल शेड्यूल के कारण पीएसएल की शुरुआत 11 अप्रैल से हो रही है। इसी समय भारत में आईपीएल चल रहा है। आमतौर पर पीएसएल का आयोजन फरवरी-मार्च के बीच होता है।

हसन अली ने कहा- अगर पाकिस्तान की नेशनल टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी तो उसका सकारात्मक असर पीएसएल पर भी पड़ेगा। टीम के बुरे परफॉरमेंस के कारण लीग की इमेज डाउन हो जाती है।

दोहा डायमंड लीग से सत्र की शुरुआत करेंगे भाला फेंक एथलीट चोपड़ा, 16 मई को होगा आयोजन

दोहा ■ एजेंसी

भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। दोहा डायमंड लीग का आयोजन कतर की राजधानी में 16 मई को होगा। नीरज भारत के सबसे सफल भाला फेंक एथलीट हैं जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और फिर 2024 पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह लगातार तीसरे साल दोहा में वांडा डायमंड लीग प्रतियोगिता में एथलेटिक्स के

सबसे उत्साही दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेताब हैं।

नीरज को भारतीय प्रशंसकों से समर्थन की उम्मीद

नीरज ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की थी। प्रतियोगिता में तीसरी बार हिस्सा ले रहे नीरज ने कहा कि वह कतर में भारतीय प्रशंसकों से और अधिक उत्साही समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। नीरज ने कहा, मैं कतर में भारतीय लोगों से मिलने वाले समर्थन से हमेशा अभिभूत रहता हूं। उनका धन्यवाद करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी अब 27 वर्षीय नीरज को कोचिंग देते हैं जो विश्व भाला फेंक रिकॉर्ड धारक (98.48 मीटर) और कई ओलंपिक और विश्व चैंपियन हैं। नीरज ओलंपिक स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं।

भारत एक मजबूत टीम, इसका दबदबा विश्व क्रिकेट पर बना रहेगा: हेड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड ने भारत को मौजूदा समय की सबसे मजबूत टीम बताया है। उन्होंने माना कि आने वाले सालों में भी भारत का दबदबा विश्व क्रिकेट पर बना रहेगा। हेड ने पिछले कुछ सालों में भारत के खिलाफ कई अहम मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया है। 2023 में भारत के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उन्होंने शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को खिताब दिलवाया था। इन प्रदर्शन के बावजूद ट्रैविस हेड ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ की। हेड ने कहा कि भारत हमेशा से एक मजबूत टीम रही है और आगे भी उसका वर्चस्व कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल तक पहुंचता है और यह रुकने वाला नहीं है।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां,
घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताजातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

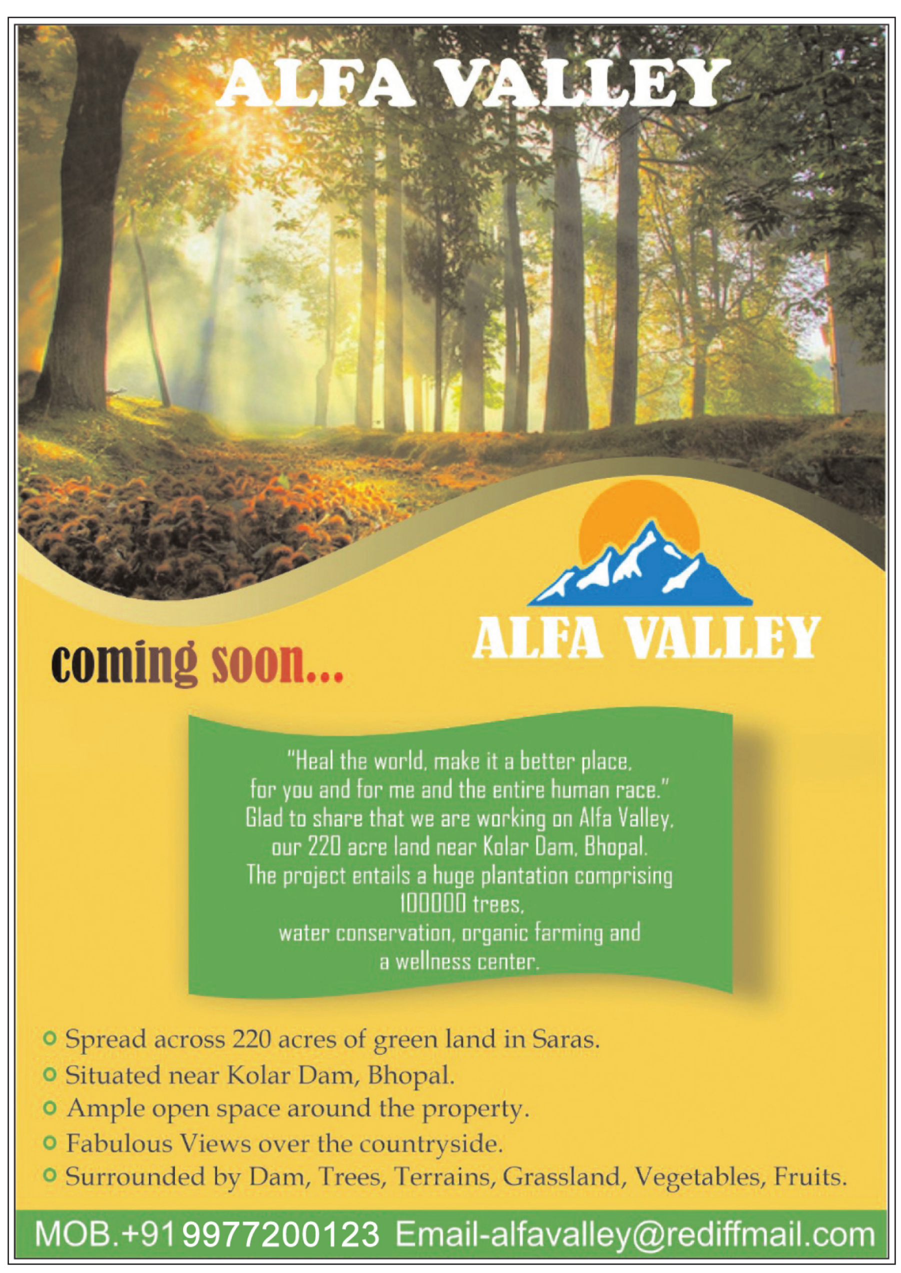

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com